दैनिक

# पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

MPHIN/2021/83938

ग्वालियरः वर्षः4 : अंकः53 | ग्वालियर,सोमवार 4 नवम्बर 2024 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए


## जनता दर्शन: गोरखनाथ मंदिर में सीएम योगी ने 200 लोगों की समस्याएं सुनीं, दिए निर्देश- निस्तारण में न हो लापरवाही

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान लगातार दूसरे दिन जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने कहा कि उनकी सरकार जनता की समस्याओं के समाधान को प्रतिबद्ध है। किसी के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने अफसरों को निर्देश दिया वे पूरी जिम्मेदारी और संवेदनशीलता से यह सुनिश्चित करें कि हर पात्र को जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिले, जमीन कब्जाने वाले भू माफिया व दबंगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो। बिना भेदभाव सबको न्याय मिले। गोरखनाथ मंदिर के महंत

दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर शनिवार को आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं। कुर्सियों पर बैठे लोगों तक खुद गए। उनकी समस्याओं व शिकायतों को सुना और समझा। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। अपराध से संबंधी शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों को अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए। जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए कई लोगों से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके उच्च स्तरीय इलाज का इस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराए। इस्टीमेट मिलते ही सरकार तुरंत धन उपलब्ध कराएगी।

## एलएसी पर डेमचोक के बाद देपसांग में भी भारतीय सेना की गश्त शुरू

नई दिल्ली। भारतीय सेना ने देपसांग में गश्त शुरू कर दी है। यह पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर दोनों देशों की सेनाओं के बीच तनाव वाला बिंदु था। सेना ने शुक्रवार को डेमचोक में गश्त शुरू हुई थी। उससे पहले पहले भारतीय और चीनी सैनिकों ने पूर्वी लद्दाख के इन दोनों तनाव वाले बिंदुओं से पीछे हटने की प्रक्रिया को पूरा किया। सरकार ने शनिवार को यह जानकारी दी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग के दौरान कहा कि चीन के साथ गश्त के समझौते के बाद डेमचोक और देपसांग में आपसी सहमति से गश्त शुरू हो गई है। गुरुवार

को दोनों देशों के सैनिकों ने एलएसी पर दिवाली के मौके पर मिठाइयों का आदान–प्रदान किया। यह परंपरा उस समय पूरी की गई, जब दोनों देशों ने डेमचोक और देपसांग पर सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया को पूरा किया। जिससे दोनों देशों के संबंधों में नरमी देखने को मिल रही है। सूत्रों ने पहले बताया था कि गश्त की स्थिति को 2020 से पहले के स्तर पर वापस लाए जाने की उम्मीद है। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने 21 अक्तूबर को दिल्ली में कहा था कि भारत और चीन के बीच कई हफ्तों से बातचीत के बाद एक समझौता किया गया है, जो 2020 में हुई समस्याओं के समाधान की दिशा में ले जाएगा। यह समझौता पूर्वी लद्दाख में एलएसी के साथ गश्त और सैनिकों को पीछे हटाने की प्रक्रिया पर आधारित है।

## सीएम योगी ने की गोसेवा, भवानी और भोलू को दुलारा-व्यस्तता में भी समय बिताया

गोरखपुर। सितंबर माह में आंध्र प्रदेश के येलेश्वरम स्थित गोशाला से गोरखनाथ मंदिर लाए गए नादिपथि मिनिएचर नस्ल (पुंगनूर नस्ल की नवोन्नत ब्रीड) के दो गोवंश भवानी और भोलू को सीएम योगी ने खूब दुलारा। दक्षिण भारत से लाए गए गोवंश की इस जोड़ी (एक बछिया और एक बछड़ा) का नामकरण भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ही किया था। उन्होंने बछिया का नाम भवानी रखा है तो बछड़े का नाम भोलू। गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान गोसेवा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा है। इसी क्रम में शनिवार सुबह भी उन्होंने मंदिर की गोशाला में समय बिताया और गोसेवा की। मुख्यमंत्री ने गोवंश को गुड़ खिलाया और गोशाला के कार्यकर्ताओं को देखभाल के लिए जरूरी निर्देश दिए। गोसेवा के दौरान उन्होंने सितंबर माह में आंध्र प्रदेश के येलेश्वरम स्थित गोशाला से गोरखनाथ मंदिर लाए गए नादिपथि मिनिएचर नस्ल (पुंगनूर नस्ल की नवोन्नत ब्रीड) के दो गोवंश भवानी और भोलू को खूब दुलारा। दक्षिण भारत से लाए गए गोवंश की इस जोड़ी (एक बछिया और एक बछड़ा) का नामकरण भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ही किया था। उन्होंने बछिया का नाम भवानी रखा है तो बछड़े का नाम भोलू। मुख्यमंत्री जब भी गोरखनाथ मंदिर प्रवास पर होते हैं, भवानी और भोलू का हाल जरूर जानते हैं। सीएम योगी के दुलार और स्नेह से भवानी और भोलू भी उनसे पूरी तरह अपनत्व भाव से जुड़ गए हैं। शनिवार को गोशाला में सभी गोवंश की सेवा करने के साथ ही मुख्यमंत्री ने भवानी और भोलू के साथ अतिरिक्त वक्त बिताया। उन्हें खूब दुलार कर, उनसे बातें कर, गुड़ और चारा खिलाया। सीएम योगी के स्नेह से ये गोवंश भाव विह्वल दिख रहे थे।

## भारत ने कनाडाई उच्चायोग के प्रतिनिधि को तलब किया अमित शाह के खिलाफ लगाए गए बेतुके आरोपों पर जताई नाराजगी

नई दिल्ली। रणधीर जायसवाल ने कहा, श्हमारे कुछ वाणिज्य दूतावास अधिकारियों को हाल ही में कनाडा सरकार की ओर से सूचित किया गया था कि वे अब भी ऑडियो और वीडियो के जरिए निगरानी में हैं। उनकी बातचीत पर भी नजर रखी जा रही है। हमने कनाडा सरकार के सामने औपचारिक रूप से विरोध जताया है, क्योंकि हम ऐसे कामों को प्रासंगिक राजनयिक और वाणिज्य दूतावास सम्मेलनों का घोर उल्लंघन मानते हैं। कनाडा के मंत्री की ओर से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ लगाए गए आरोपों को लेकर भारत ने नाराजगी जताई है। भारत ने कनाडाई अधिकारी को तलब किया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि हमने कल कनाडाई उच्चायोग के प्रतिनिधि को तलब किया। भारत सरकार कनाडा सरकार में मंत्री डेविड मॉरिसन की ओर से समिति के समक्ष भारत के केंद्रीय गृह मंत्री के बारे में किए गए बेतुके और निराधार आरोपों का सबसे कड़े शब्दों में विरोध करती है। उन्होंने कहा, श्यह पहले ही साफ हो चुका है कि उच्च कनाडाई अधिकारी जानबूझकर भारत को बदनाम करने और अन्य देशों को प्रभावित करने की एक सचेत रणनीति के तहत अंतरराष्ट्रीय मीडिया को निराधार आरोप लीक करते हैं। इससे वह दृष्टिकोण साबित होता है, जो भारत सरकार ने वर्तमान कनाडाई सरकार के राजनीतिक एजेंडे और व्यवहार पैटर्न के बारे में लंबे समय से रखा है। इस तरह की गैरजिम्मेदाराना हरकतों के द्विपक्षीय संबंधों पर गंभीर परिणाम होंगे। रणधीर जायसवाल ने कहा, श्हमारे कुछ वाणिज्य दूतावास अधिकारियों को हाल ही में कनाडा सरकार की ओर से सूचित किया गया था कि वे अब भी ऑडियो और वीडियो के जरिए निगरानी में हैं। उनकी बातचीत पर भी नजर रखी जा रही है। हमने कनाडा सरकार के सामने औपचारिक रूप से विरोध जताया है, क्योंकि हम ऐसे कामों को प्रासंगिक राजनयिक और वाणिज्य दूतावास सम्मेलनों का घोर उल्लंघन मानते हैं। तकनीकी पहलुओं का हवाला देकर कनाडा सरकार इस तथ्य को उचित नहीं ठहरा सकती कि वह उत्पीड़न और धमकी में लिप्त है। हमारे राजनयिक और वाणिज्य दूतावास कर्मी पहले से ही अलगाववाद और हिंसा के माहौल में काम कर रहे हैं। कनाडा सरकार का कृत्य स्थिति को और खराब कर रहे हैं। यह स्थापित राजनयिक मानदंडों और प्रथाओं के साथ असंगत है।श कनाडा के पार्लियामेंट हिल में दिवाली समारोह रद्द होने की खबरों पर विदेश मंत्रालय ने कहा कि हमने इस संबंध में कुछ रिपोर्ट देखी हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कनाडा में मौजूदा माहौल असहिष्णुता और उग्रवाद के उच्च स्तर पर पहुंच

गया है। कनाडा सरकार द्वारा वीजा की संख्या में कटौती पर रणधीर जायसवाल ने कहा कि हम कनाडा में काम कर रहे अपने छात्रों और पेशेवरों की भलाई पर नजर रख रहे हैं। उनकी सुरक्षा और संरक्षा के लिए हमारी चिंता बनी हुई है। कुछ भारतीय कंपनियों पर अमेरिकी प्रतिबंधों पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि 19 भारतीय कंपनियों के प्रतिबंध के बारे में हमने अमेरिकी रिपोर्ट देखी हैं। भारत के पास रणनीतिक व्यापार पर एक मजबूत कानूनी और नियामक ढांचा है। हम तीन प्रमुख बहुपक्षीय अप्रसार निर्यात नियंत्रण व्यवस्थाओं वासिनार व्यवस्था, ऑस्ट्रेलिया समूह और मिसाइल प्रौद्योगिकी नियंत्रण व्यवस्था के सदस्य भी हैं।

## किन्नौर बालिका आश्रम की बेटियों को सीएम सुक्खू का दिवाली गिफ्ट, हर बेटी को 25 हजार रुपये देने की घोषणा

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू राज्य के जनजातीय जिला किन्नौर के प्रवास पर हैं. रविवार (3 नवंबर) को मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने किन्नौर के कल्पा में बालिका आश्रम का दौरा किया. इस दौरान मुख्यमंत्री के साथ बागवानी एवं जनजातीय विकास मंत्री जगत सिंह नेगी भी मौजूद रहे. मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह यहां अपनी बेटी के साथ बालिका आश्रम में पहुंचे थे. मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने बालिका आश्रम में रह रही बेटियों के साथ संवाद किया. साथ ही मुख्यमंत्री ने दिवाली गिफ्ट के तौर पर हर बेटी को 25 हजार रुपये देने की भी घोषणा की है.

**सीएम किन्नौर को सीएम सुक्खू के निर्देश**–मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने बालिका आश्रम की बेटियों से बातचीत की. मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार इन बच्चियों की देखभाल और शिक्षा के लिए हर संभव मदद कर रही है. उन्होंने आश्रम की बालिकाओं को जीवन में सफल होने के लिए कड़ी मेहनत और लगातार कोशिश करते रहने के लिए प्रेरित किया. मुख्यमंत्री ने किन्नौर के जिला उपायुक्त को बालिका आश्रम का समय-समय पर औचक निरीक्षण करने के निर्देश दिए, ताकि बच्चों की सभी समस्याओं का समय पर निवारण हो सके.

**सीएम सुक्खू ने किन्नौर उत्सव की अध्यक्षता भी की**–इससे पहले शनिवार शाम मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह ने किन्नौर उत्सव के समापन समारोह की अध्यक्षता की. यहां मुख्यमंत्री ने किन्नौर की अनूठी परंपरा को संरक्षित और प्रोत्साहित करने के लिए लोगों की सराहना की. उन्होंने कहा कि इस तरह के उत्सव न केवल समुदाय को एकजुट करते हैं, बल्कि लोगों को प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर से रूबरू भी करवाते हैं. मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां के युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए 28 करोड़ रुपये की लागत से खेल परिसर का निर्माण किया जा रहा है. इस दौरान मुख्यमंत्री ने वन अधिकार अधिनियम- 2006 के तहत किन्नौर के गरीब और भूमिहीन लोगों को भू-पट्टे प्रदान कर उनकी जमीन का मालिकाना हक भी दिया.

### 25 नवंबर से संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत

## कई अहम बिलों पर होगी चर्चा

नई दिल्ली। संसद का शीतकालीन सत्र इस महीने के अंत में 25 नवंबर को शुरू होने की संभावना है और 20 दिसंबर तक चल सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस बार एक विशेष कार्यक्रम होगा, जिसमें सांसद एक दिन के लिए पुराने संसद भवन में मिल सकते हैं। संविधान को अपनाने के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 26 नवंबर को लोकसभा और राज्यसभा का संयुक्त सत्र बुलाया जाएगा। यह विशेष सत्र संभवतरू पुराने संसद भवन के सेंट्रल हॉल में आयोजित किया जाएगा, जहां भारतीय संविधान को 26 नवंबर 1949 को अपनाया गया था। इस दिन को संविधान दिवस के रूप में मनाया जाता है और 26 जनवरी 1950 को भारतीय संविधान पूर्ण रूप से लागू हुआ। दिलचस्प बात यह है कि सत्तारूढ़ एनडीए और विपक्षी गठबंधन दोनों ही खुद को संविधान के रक्षक के रूप में पेश करने की कोशिश कर रहे हैं। बीजेपी और कांग्रेस दोनों ही एक–दूसरे को संविधान का दुश्मन बताने में कोई कसर नहीं छोड़ते। इस लोकसभा चुनाव में विपक्ष ने यह बात फैलाने की कोशिश की कि अगर मोदी सरकार दोबारा सत्ता में आई तो संविधान खतरे में पड़ जाएगा। वहीं, मोदी सरकार ने इस साल जुलाई में 25 जून को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की, ताकि आपातकाल के काले दिनों को याद किया जा सके। इस पृष्ठभूमि में आगामी संसद सत्र और विशेष सत्र में होने वाली चर्चा इस बार काफी महत्वपूर्ण रहने की संभावना है। गौरतलब है कि शीतकालीन सत्र के दौरान कथित तौर पर श्एक राष्ट्र, एक चुनावश प्रस्ताव और वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 पर जोरदार चर्चा होगी। इससे पहले, गृह मंत्री अमित शाह ने वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 पर बोलते हुए कहा कि यह विधेयक संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान पारित किया जाएगा। गुड़गांव के बादशाहपुर इलाके में एक चुनावी रैली में बोलते हुए, शाह ने टिप्पणी की, वक्फ बोर्ड कानून... हम इसे संसद के अगले सत्र में ठीक कर देंगे।

## पीएम मोदी से एक घंटे हुई सीएम योगी आदित्यनाथ की मुलाकात, महाकुंभ समेत इन मुद्दों पर हुई चर्चा

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज यानी रविवार (3 नवंबर) को दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ये मुलाकात करीब एक घंटे तक चली. इस मुलाकात के दौरान उत्तर प्रदेश के उपचुनाव समेत कई सियासी मुद्दों पर चर्चा हुई.बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शिष्टाचार भेंट करने पहुंचे थे. लोकसभा चुनाव के 4 जून को आए नतीजों के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से यह पहली मुलाकात है. पीएम मोदी और सीएम योगी के बीच चली करीब एक घंटे चली मुलाकात के दौरान कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई.

**पीएम और सीएम योगी की मुलाकात अहम** –प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की यह मुलाकात कई मायनों में काफी अहम मानी जा रही है. मुलाकात के दौरान उत्तर प्रदेश के 9 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव को लेकर काफी देर तक चर्चा हुई है. साथ में प्रदेश की विकास परियोजनाओं को लेकर भी बातचीत हुई है. अगले साल प्रयागराज में होने वाले वाले महाकुंभ को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार जोरशोर से तैयारी की गई है. जूना अखाड़ा और किन्नर अखाड़े के नगर प्रवेश के साथ ही आज महाकुंभ मेले की अनौपचारिक शुरुआत हुई. पीएम मोदी और सीएम योगी ने अगले साल यानी 2025 में होने वाले महाकुंभ की तैयारियों को लेकर भी चर्चा की.

**सीएम ने जेपी नड्डा से भी की मुलाकात**–बीते दिनों उत्तर प्रदेश के भारतीय जनता पार्टी की इकाई में काफी उहापोह देखने को मिला था. सीएम योगी आदित्यनाथ जैसे ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शिष्टाचार मुलाकात करने पहुंचे सियासी गलियारों चर्चा दौरा शुरू हो गया. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के से मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यना भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय और केंद्रीय जेपी नड्डा से मिलने पहुंचे.

## दतिया सेवाड़ा विधायक प्रदीप अग्रवाल ने अपने कार्यकर्ताओं के साथ की शासकीय गौशाला बरा बुजुर्ग पहुंच कर की गोवर्धन पूजा

**संदीप प्रधान उप संपादक पुष्पांजलि टुडे**

गोवर्धन पूजा के शुभ अवसर पर विधायक ने कहा कि अगर हम गौ सेवा का भाव रखते हैं तो हम सब मिलकर अगर अपने शौक के खर्चों में से ?2 प्रतिदिन भी बचाएंगे तो हमारी गौ माता को सड़कों पर नहीं भटकना पड़ेगा गोवर्धन पूजा के साथ गौ माता पूजन भी किया पशुपालन विभाग के अधिकारी और डॉक्टर रहे मौजूद पत्रकार संदीप प्रधान भी रहे मौजूद

# रतनगढ़ धाम जाने वाले श्रद्धालुओं की सेवा में श्री मुरली मनोहर सेवा मण्डल ने लगाया दसवां भव्य विशाल भण्डारा

### रतनगढ़ धाम पर हर वर्ष लगता है विशाल लक्खी मेला,लाखो की होती है भीड़

**अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे**

दबोह-दबोह से कुछ ही दूरी पर दतिया जिले में स्थित रतनगढ़ माता मंदिर पर भाईदौज के मौके पर लक्खी मेले में प्रतिबर्ष की तरह लाखों श्रद्धालु माता के दर्शन के लिये पहुचने का सिलसिला 01 नबम्बर 2024 की सुबह से ही शुरू हो गया था।जिसके चलते दबोह से गुजरकर उत्तर प्रदेश के कानपुर,उई,कोंच,झांसी,चिरगाँव,छतरपुर समेत अन्य कई स्थानों और अंचल के लाखों श्रद्धालु माँ रतनगढ़ माता के दर्शन के लिये प्रतिवर्ष उनके दरबार में पहुंचते हैं।जिनके लिए 02 नबम्बर की शाम 04:00 बजे से दबोह नगर में लगातार नौ वर्षों से कई भंडारे व् दीन-दुखियो और गरीबो की सेवा करने वाले सामाजिक संगठन श्री मुरली मनोहर सेवा मण्डल के द्वारा नगर में प्रमुख तिराहा कोंच रोड पर पण्डाल लगाकर लाखों श्रद्धालुओं के लिये भण्डारा लगाया गया।जिसमें उनके लिए चाय,पानी,नाश्ता,भोजन,दवा आदि की व्यवस्था की गई।रतनगढ़ माता के मेले के चलते 01 व 02 नबम्बर की शाम से दबोह मुख्य मार्ग पर माता के भक्तों का कारवाँ लाखो की संख्या में नजर आता दिखा।जिसके लिए नगर के मुख्य तिराहे कोंच रोड पर श्री मुरली मनोहर सेवा मण्डल द्वारा दसवां भव्य विशाल भंडारा लगाया गया था।जैसा की आप सभी को ज्ञात है कि नगर के सामाजिक संगठन श्री मुरली मनोहर सेवा

मण्डल द्वारा यह पहला भंडारा नही है इससे पहले भी मण्डल के द्वारा नवरात्रि के समय माँ रणकौशला देवी मन्दिर जाने श्रद्धालुओं के लिए भंडारा,नवरात्रि पर नवमी के दिन माँ रणकौशला देवी मन्दिर परिसर में विशाल भंडारा,बेसहारा व् गरीबो की मदद,मतदाता जागरूकता अभियान आदि कार्यक्रम भी किये जा चुके हैं।श्री मुरली मनोहर सेवा मण्डल से अध्यक्ष अर्पित गुप्ता ने बताया कि माँ रतनग? वाली की कृपा से यह दसवां विशाल भंडारा सफलता पूर्वक 03 नबम्बर 2024 की अल सुबह सम्पन्न हुआ।साथ ही अर्पित गुप्ता ने बताया की आगामी ग्यारवें भंडारे में भंडारे को काफी विशाल रूप दिया जायेगा और यह भंडारा माता रानी की कृपा से निरन्तर चलता रहेगा।साथ ही उन्होंने बताया कि इस भण्डारे में श्री मुरली मनोहर सेवा मण्डल द्वारा पिछली बार किये गए भंडारे से लगभग 50 फीसदी अधिक श्रद्धालुओं ने भण्डारे में प्रशादी ग्रहण की।इसी के साथ इस विशाल भंडारे में मण्डल से हिमांशु गुप्ता,रोहित गुप्ता,मोहित गोस्वामी,अवधकिशोर गुप्ता,परमाल गुर्जर,टिंकू कुरेले,संजय गुप्ता,रवि गुप्ता,प्रतीक गुप्ता,सुधांशु मुदगल,हरिश्चंद्र पाण्डेय,दिलीप नायक,अजय त्रिपाठी,पंकज शर्मा,रविन्द्र शर्मा,कुंजबिहारी कौरव,बीपी बौद्ध,शशि बुधौलिया,गोपाल अग्रवाल,संजीव अग्रवाल,राधे अग्रवाल,सोनू मैथाने वाले,गोलू गुप्ता,प्रशांत गुप्ता,अंकित खरे,संजय सोनी,चिराग गुप्ता,सुरेश गुप्ता,अशोक गुप्ता,शिवकुमार गुप्ता,हिमांशु पटेल,गोपाल अग्रवाल आदि लोग मुख्य रूप से मौजूद रहे।

**भंडारे में लगाया गया मेडिकल कैम्प,जरुरतमन्दो ने लिया उपचार**-इस बार श्री मुरली मनोहर सेवा मण्डल द्वारा आयोजित दसवें भंडारे में निःशुल्क मेडिकल कैम्प भी लगाया गया।जिसमें जरूरतमंद लोगो ने निशुल्क दवाएं प्राप्त की।साथ ही बीपी की व अन्य जांचे भी निशुल्क की गई।जिस दौरान मेडिकल ऑफिसर दबोह डॉ.सोनू शर्मा,अवधकिशोर गुप्ता व रवि गुप्ता ने दवाएं वितरण कर कैम्प की व्यवस्था संभाली।

**नगर परिषद ने भी व्यवस्था में किया सहयोग**-मुख्य नगर पालिका अधिकारी के निर्देशन में नगर परिषद दबोह द्वारा नगर के मार्गो पर भंडारे को मद्देनजर रखते हुए नगर में सफाई व्यबस्था,पानी टैंकर आदि व्यवस्थायें काफी अच्छी तरीके से संभाली गई।

**पुलिस प्रशासनिक व्यवस्था रही चुस्त दुरुस्त**-प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी आयोजित विशाल भण्डारे के दौरान नगर दबोह थाना निरीक्षक राजेश शर्मा व उप निरीक्षक रविन्द्र मांझी ने व्यवस्था में मोर्चा सम्भाला।जिसके चलते प्रशासनिक व्यवस्था चुस्त दुरुस्त रही और लगातार पुलिसिंग व्यवस्था के चलते कोई हताहत भी नही हुई।जिसके लिए मंडल ने उन्हे धन्यवाद दिया।

# प्रथम पूर्व छात्र सम्मेलन का आयोजन सरस्वती शिशु मंदिर, गोरमी, जिला भिंड में 2 नवंबर 2024 को बड़े उत्साह और धूमधाम से किया गया। इस विशेष अवसर पर विद्यालय के पूर्व छात्रों, शिक्षकों और प्रबंधकों ने भाग लिया, जिससे कार्यक्रम को एक नई ऊर्जा मिली।

मुख्य अतिथि के रूप में श्री राजेश जी शुक्ला (प्रांत कार्यकारिणी सदस्य, विद्या भारती) उपस्थित रहे और उन्होंने सभा को संबोधित किया। अपने विचारों में उन्होंने छात्रों को प्रोत्साहित किया और शिक्षा के महत्व पर बल दिया। मुख्य वक्ता के रूप में श्री मुकुट बिहारी शर्मा (विभाग समन्वयक, ग्वालियर विभाग) ने अपने अनुभव साझा किए और विद्यालय के योगदान की सराहना की। श्री जगदीश जी दीक्षित (विभाग संपर्क प्रमुख) ने भी उपस्थित रहकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रथम प्रधानाचार्य श्री अखिलेश चतुर्वेदी जी ने की।इस कार्यक्रम में 1991 के पहले बैच के छात्र विशेष आकर्षण का केंद्र रहे, जिन्होंने अपने अनुभव और विद्यालय से जुड़ी यादें साझा कीं। विद्यालय के लगभग 250 से अधिक पूर्व छात्र सम्मलित हुए।इसके अलावा, उस समय के प्रधानाचार्य और आचार्यगण भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए, जिन्होंने विद्यालय के आरंभिक दिनों और

विकास के बारे में अपने अनुभव बताए।कार्यक्रम में वर्तमान विद्यालय की छोटी-छोटी बहनों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दीं, जिन्होंने सभी उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनके नृत्य और गीतों ने सभी को भावुक कर दिया और कार्यक्रम को ऊर्जावान बना दिया।सभी सम्मानित अथितियों और पूर्व छात्रों के द्वारा दीपोत्सव भी मनाया गया एवं पूर्व आचार्यों को स्मृति चिन्ह के रूप में हनुमान गदा भेंट की गई।इस सम्मेलन ने विद्यालय के वर्तमान और पूर्व छात्रों के बीच एक अद्वितीय संबंध स्थापित किया और सभी को एक सूत्र में बांधा।

## मौ नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि सज्जन सिंह यादव जी के द्वारा दीपावली के शुभ अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेताओं का किया सम्मान किया

**पुष्पांजलि टुडे रिपोर्टर मौ डॉ.बेताल सिंह गौड़**

दीपावली एवं भाई दोज के चलते शुभ अवसर पर आज मौ नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि सज्जन सिंह यादव ने भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का सम्मान कर आशीर्वाद लिया भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष वरिष्ठ नेता सरनाम गुर्जर मामा जी ,वरिष्ठ कार्यकर्ता राजेंद्र यादव जी ,भाजपा के वरिष्ठ नेता देवलाल हौआ यादव जी ,वरिष्ठ कार्यकर्ता ब्रजकिशोर ओझा जी, वरिष्ठ नेता प्रकाश चंद्र जैन जी, वरिष्ठ कार्यकर्ता ज्ञान चंद्र जैन जी, वरिष्ठ कार्यकर्ता मुन्ना लाल फूफा जी, एवम् सभी का माला पहनाकर मिठाई खिलाकर स्वागत सम्मान किया गयाइस मौके पर चौधरी दिलीप शर्मा जी, पार्षद भाई सुल्तान मौर्य जी, जिला आईटी प्रभारी रामू कुशवाह आदि भाजपा नेता उपस्थित रहे

## महेंद्र मुणोत को किया सम्मानित

**दैनिक पुष्पांजली टुडे**

बेंगलूरू- अमृसबाई बांगोबासी बेंगलुरु द्वारा कस्तूरबा नगर बृहद बेंगलुरु महानगरपालिका खेल मैदान में आयोजित सर्वोजनीन श्री श्री श्यामा काली पूजा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं अपने वक्तव्य में कहा प्रेम सेवा परोपकार देशभक्ति धर्म का असली स्वरूप है. आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

## नगर में अवैध शराब रुकने का नाम ही नही ले रही जिससे आये दिन झगड़े और ग्रह कलेश बढ़ रहे है

जिसको लेकर गोरमी के वार्ड 9 ,2,7,8 के लोग काफी परेशान है वार्ड का ही एक व्यक्ति अवैध शराब बेच रहा है जहां शराब की बिक्री हो रही है वह नगर का प्रशिद्ध बड़ी जग्गा मंदिर और अंबेडकर पार्क है लोगों ने आज थाना प्रभारी गोरमी को ज्ञापम शोपा , जिसमे उन्होंने मांग रखी कि नगर में अबैध शराब के8 बिक्री पर रोक लगाई जाये नहीं तो धरना प्रदर्शन करेंगे ज्ञापन के बाद थाना प्रभारी ने सिपाहियों को भेज कर अवैध शराब बेचने वाले को पकड़कर थाने में बंद किया ।

## दतिया रतनगढ़ मेला को लेकर कलेक्टर श्री संदीप कुमार माकिन एवं पुलिस अधीक्षक श्री वीरेंद्र मिश्रा ने सभी प्रशासनिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों का किया आभार व्यक्त

संदीप प्रधान उप संपादक पुष्पांजलि टुडे संयुक्त रूप से रतनगढ मेला सफलतापूर्वक हुआ संपन्न होने पर जिले के सभी अधिकारियों, कर्माचारियों एवं सभी नागरिकों का आभार व्यक्त किया...उन्होंने कहा की माई की कृपा से मेले में किसी प्रकार की कोई अव्यवस्था नहीं हुई और मेला निर्विघ्नता के साथ संपन्न हुआ...सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन बहुत ही मेहनत और लगन से किया है

# गुरुकुल का उद्घाटन करके कल 3 नवम्बर को काशी पधारेंगे शङ्कराचार्य अविमुक्तेश्वरानन्दः सरस्वती

### मातृशक्ति व भक्तों द्वारा शंकराचार्य जी को समर्पित किया जाएगा 56 भोग

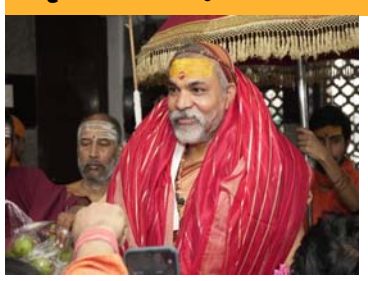

**अनुज सिंह ठाकुर ब्यूरो रिपोर्ट पुष्पांजलि टुडे ललितपुर**

36 दिन में 36 राज्यों में गौध्वज प्रतिष्ठित कर एवं महाराष्ट्र में गौमाता को राज्य माता घोषित करवाकर परमाराध्य परमधर्माधीश उत्तराम्नाय ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगद्गुरु शङ्कराचार्य स्वामिश्री अविमुक्तेश्वरानन्द सरस्वती जी महाराज कल 3 नवम्बर को काशी पधार रहे हैं।शङ्कराचार्य जी महाराज के मीडिया प्रभारी संजय पाण्डेय जी ने बताया कि भदोही स्थित माता अजोराधाम मन्दिर में जगद्गुरुकुलम् की एक नयी शाखा का उद्घाटन करते हुए शङ्कराचार्य जी महाराज कल 3 नवम्बर को सायं लगभग 7 बजे श्रीविद्यामठ पहुँचेंगे। शंकराचार्य जी महाराज के काशी आगमन पर मातृशक्ति द्वारा उनको 56 भोग समर्पित किया जाएगा।प्रवास के दौरान अभिनंदन,वंदन सहित अन्य मांगलिक व धार्मिक अनुष्ठान संपन्न किए जाएंगे।

### अवैध पैथोलॉजी लैब के माध्यम से लोगों की जेबों पर डाका डाला जा रहा है : बु. वि. सेना

# चिकित्सकों और पैथोलॉजी संचालकों की मिलीभगत से जनता को जमकर लूटा जा रहा है - बु.वि.सेना

**अनुज सिंह ठाकुर ब्यूरो रिपोर्ट पुष्पांजलि टुडे ललितपुर**

ललितपुर । आज बु वि. सेना की एक आवश्यक बैठक स्थानी कम्पनी बाग में बु. वि. सेना के जिला कमांडेन्ट सुधेश नायक की अध्यक्षता में आहूत की गई । बैठक में ललितपुर शहर में चिकित्सकों की मिलीभगत से कुकुरमुत्तों की तरह उग आयी अवैध पैथोलॉजी लैबों द्वारा जनता को लूटे जाने पर गहरी चिन्ता व्यक्त की गई । बु. वि.सेना जिला कमांडेन्ट सुधेश नायक ने कहा कि सी. एम. ओ. की नाक के नीचे चिकित्सकों की मिलीभगत से ललितपुर में दर्जनों अवैध पैथोलॉजी लैब्स के द्वारा खुलेआम जनता की जेबों को काटा जा रहा है । प्रत्येक चिकित्सक अपने क्लीनिक पर अवैध पैथोलोजिस्ट बिठाकर अनावश्यक जांचें करके मरीजों में भय पैदा करके रुपए ऐंठने का काम कर रहे हैं । उन्होंने कहा कि ज्यादातर

पैथोलोजिस्टों के पास न तो डिग्री है और न ही डिप्लोमा है । इन अवैध लैब संचालकों को सी. एम. ओ. का संरक्षण प्राप्त है । बु. वि. सेना जिला कमांडेन्ट ने कहा कि अगर किसी मरीज की चार पैथोलॉजी पर अलग अलग जांच कराई जाये चारों जगह अलग अलग नतीजे आते हैं जिससे चिकित्सकों से मिलीभगत की बात सिद्ध होती है । उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की है कि इन अवैध संचालकों पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाई जाये अन्यथा की स्थिति बु. वि. सेना उग्र आन्दोलन छेड़ने के लिए बाध्य हो जायेगी । बैठक में कदीर खां , फूलचंद रजक अमरसिंह बुन्देला , अरुण सिंघई , प्रेमशंकर गुप्ता , शाहिद अली , अमरसिंह सेन , मथुराप्रसाद मिश्रा ओमकार राजा , विनोद साहू , सुरेश नेता , आकाश कुशवाहा , गोवर्धन पिपरियावंशा , राजकुमार रैकवार , सूकेलाल पाल , राजेश कुशवाहा , सरमन रैकवार , कामता प्रसाद शर्मा आदि उपस्थित रहे ।

## सेवानिवृत्त होने पर चुन्नीलाल को किया गया सम्मानित

नेहरू महाविद्यालय के चौकीदार श्री चुन्नीलाल 26वर्ष की दीर्घकालीन सेवाओ के बाद 31अक्टूबर को सेवानिवृत्त हुए उनके सेवा निवृत्त होने पर महाविद्यालय में आयोजित विदाई समारोह में उन्हें सम्मानित करते हुए विदाई दी गई,इस अवसर पर प्राचार्य डॉ ओमप्रकाश शास्त्री ने कहा कि चुन्नीलाल जी ने लगातार 26वर्ष तक नेहरू महाविद्यालय में सत्यनिष्ठा, एवं परिश्रम पूर्वक अपनी सेवाएं प्रदान की है , उन्होंने कहा कि चौकीदार को अपनी सेवाओं में बहुत ही सजग रहना होता है,महाविद्यालय की संपत्ति की सुरक्षा का दायित्व उसका होता है, चुन्नीलाल ने 26वर्ष की सेवाओं में अपने दायित्व का सजगता से निर्वहन कियामहाविद्यालय परिवार में चुन्नीलाल से सभी स्नेह पूर्वक चुन्नी दादा कहकर सम्बोधित करते थे अपनी दीर्घकालीन सेवाओं के बाद वे आज सेवा निवृत्त हो रहें हैं उनके दीर्घायु एवं अच्छे स्वास्थ्य की कामना करते हुए उनको स्मृति चिन्ह भेंट कर प्राचार्य द्वारा सम्मानित किया गया,इस अवसर पर डॉ दीपक पाठक, डॉ प्रीति सीरोटिया, डॉ शैलेन्द्र सिंह चौहान, डॉ राजीव निरंजन, श्री धीरेन्द्र तिवारी, विवेक पाराशर, फहीम बख्श, ध्रुव किलेदार दीपक रावत हरी प्रसाद, अंकित चौबे, रमेश पाल राजीव गोस्वामी,जयन्त चौबे,रोहित मिश्रा ,रामसहाय सीरौटिया श्रीपत सिंह, संजय शर्मा, कमलेश प्रजापति, हरदयाल, अनिल कुमार, गजेन्द्र सिंह, रविकुमार,मिलन, राकेशप्रजापति,कामताप्रसाद शर्मा,लक्ष्मीप्रसादसोनी,रामसेवक ,सुरेश पाल, राजेश माली,नरेन्द्र माली राहुल,विट्टू,आदि उपस्थित रहे।

## चुनाव संबंधित तैयारी की समीक्षा की पुलिस अधीक्षक का बुदनी दौरा, चुनावी तैयारियों की गई समीक्षा, अपराध निराकरण के सम्बंध मे दिए निर्देश

सीहोर पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला द्वारा बुदनी अनुभाग अंतर्गत समस्त थानों का दौरा किया जाकर अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली गई। बैठक मे बुदनी विधान सभा उप निर्वाचन को मध्य नजर रखते हुए चुनाव संबंधी तैयारियों की जानकारी ली जाकर समीक्षा की गई एवं चुनाव को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण रूप से संपादित कराने हेतु पूर्ण रूप से तैयारी करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए गए। सभी थाना प्रभारियों से थानो मे लंबित अपराध, चालान, मर्ग, शिकायतों को स्थिति जानी एवं शीघ्र निराकरण हेतु आदेशित किया गया। थानो मे वारंट तामील की समीक्षा की एवं अधिक से अधिक वारंटियो को पकड़ने हेतु निर्देश दिए । साथ ही उप -चुनाव के दृष्टिगत चुनाव प्रभावित करने वाले सम्भावित व्यक्तियों के विरुद्ध प्रभावी प्रतिबंधित कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया जिससे सम्पूर्ण चुनावी प्रक्रिया शांतिपूर्ण रूप से संपन्न हो सके। इसके अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक द्वारा क्षेत्र मे लगातार एरिया डोमिनेशन फ्लैग मार्च कर जनता के बीच पुलिस की मौजूदगी स्थापित करने एवं जनता से संवाद स्थापित करने हेतु कहा गया। भ्रमण के दौरान पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा थानो मे उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं एवं उपलब्ध बलवा सामग्री का जायज़ा लिया बेहतर कार्य करने हेतु प्रोत्साहित किया गया

## संपादकीय

## आत्मनिर्भरता की उड़ान

अक्सर कहा जाता रहा है कि भारतीय सेना के युद्धक व मालवाहक विमान पुराने पड़ चुके हैं। निस्संदेह, वायुसेना व सेना को इसकी कीमत भी चुकानी पड़ती थी। लेकिन यह सुखद है कि देश में पहली बार एक स्वदेशी निजी कंपनी आत्मनिर्भर भारत अभियान को संबल देकर देश में सेना के लिये युद्धक घविमानों का निर्माण करेगी। जब वड़ोदरा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके स्पेनिश समकक्ष पेद्रो सांचेज ने टाटा एअरक्राफ्ट कॉम्प्लेक्स में इस महत्त्वाकांक्षी परियोजना की बुनियाद रखी, तो निश्चय ही भारत एक नये युग में प्रवेश कर रहा था। पहली बार कोई निजी कंपनी विमान निर्माण के क्षेत्र में कदम रख रही थी। वह भी देश का भरोसेमंद और एअर इंडिया का उद्धार करने वाला टाटा समूह का उपक्रम। निश्चित ही हम 'मेक इन इंडिया' के संकल्प को हकीकत बनता देख रहे हैं। साथ ही हम उस दाग को धोने की तरफ भी आगे बढ़े हैं कि जिसके बाबत कहा जाता है कि भारत दुनिया के सबसे बड़े हथियार खरीददार देशों में शुमार है। उल्लेखनीय है कि टाटा एडवांस सिस्टम्स लिमिटेड और स्पेन की एअरबस के संयुक्त उपक्रम में 40 सी–295 विमानों का निर्माण होगा। यह भी कि स्पेन व भारत के मध्य कुल 56 विमानों को लेकर समझौता हुआ था जिसमें 16 तैयार विमान स्पेन से भारत को मिलने हैं। दरअसल, सी–295 विमान सैनिकों साजो–सामान तथा हथियारों को लाने–ले जाने में खासा मददगार होता है। साथ ही यह छोटी हवाई पट्टी व दुर्गम इलाकों से भी उड़ान भर सकता है। यह अच्छी बात है कि बीते कुछ वर्षों में भारत सरकार ने उन्नत एवं तकनीकी क्षेत्रों में उत्पादन बढ़ाने को अपनी प्राथमिकता बनाया है। जिसमें रक्षा उत्पादों, इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों, इलेक्ट्रिक वाहनों, ग्रीन हाइड्रोजन तथा सेमीकंडक्टर का उत्पादन शामिल है। अपने इस अभियान में सरकार ने न केवल विदेशी निवेश को आमंत्रित किया बल्कि देश के निजी क्षेत्र को भरपूर संसाधन व पर्याप्त मौके उपलब्ध कराए हैं। तय मानिये कि आने वाले वाले वर्षों में इसके सकारात्मक परिणाम मिलेंगे।निश्चित रूप से केंद्र सरकार की ऐसी कोशिशों से जहां हम रक्षा उत्पादन के क्षेत्रों में आत्मनिर्भर होंगे, वहीं इससे देश में रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। ऐसा करके हम न केवल अपने दुर्लभ विदेशी मुद्रा भंडार को बढ़ा सकते हैं बल्कि इन उत्पादों के निर्यात की दौड़ में भी शामिल हो सकते हैं। यकीनी तौर पर देश की अर्थव्यवस्था को भी इससे बड़ा संबल मिलेगा। बहरहाल, यह तय है कि भारतीय सेना में सी–295 विमानों के शामिल होने से हम पुराने रूसी विमानों के जोखिम से भी बच सकेंगे। साथ ही सामरिक क्षेत्र में यह देश की बढ़त भी होगी। वहीं देश में रोजगार के मौके भी बढ़ेंगे। कहा जा रहा है कि देश में सी–295 की निर्माण परियोजना से तीन हजार प्रत्यक्ष और 15 हजार परोक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे। इसके अलावा बड़ोदरा व उसके आसपास के इलाके की आर्थिकी को नई गति भी मिलेगी। वहीं इन विमानों में उपयोग होने वाले स्वदेशी कल–पुर्जों से भी विभिन्न आय के साधन विकसित होंगे। विगत के अनुभव रहे हैं कि भारत के मुश्किल वक्त में हथियारों की आपूर्ति में विदेशी सरकारों ने मदद करने में आनाकानी की थी। लेकिन बहुत संभव है कि सी–295 परियोजना की सफलता के बाद भारत रक्षा उत्पादों के निर्यात में भागीदारी कर सकेगा। संभावना यह भी कि कालांतर देश में ऐसी विशिष्ट उत्पादों के निर्माण की संस्कृति विकसित हो, जो न केवल देश को हथियार उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाये, बल्कि भारत की तीनों सेनाओं का मनोबल भी ऊंचा करे। अंततरू देश के समक्ष उत्पन्न किसी भी रक्षा चुनौती का सेनाएं भी तत्परता से मुकाबला कर सकेंगी।

# कांग्रेस के आरोपों पर चुप क्यों है सरकार

**संतोश शुक्ला**

> अब मामला सिर्फ बचाने तक का नहीं रह गया है वरन, जैसा कि कांग्रेस के प्रवक्ता पवन खेड़ा कह रहे हैं कि माधवी बुच सरकार को ब्लैक मेल कर रही हैं। जबसे सेबी चेयरपर्सन माधवी बुच द्वारा विवादास्पद शेल कम्पनी में पति सहित उनके द्वारा निवेश किये जाने।

सेबी (सेक्यूरिटिज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया) की अध्यक्ष माधवी बुच को लेकर विवाद गहराता जा रहा है और जैसे–जैसे दिन बीत रहे हैं, संकेत और भी साफ होते जा रहे हैं कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार उन्हें बचाने की कोशिश कर रही है। अब मामला सिर्फ बचाने तक का नहीं रह गया है वरन, जैसा कि कांग्रेस के प्रवक्ता पवन खेड़ा कह रहे हैं कि, माधवी बुच सरकार को ब्लैक मेल कर रही हैं। जबसे सेबी चेयरपर्सन माधवी बुच द्वारा विवादास्पद शेल कम्पनी में पति सहित उनके द्वारा निवेश किये जाने एवं सेबी के अलावा अन्य कम्पनियों से आर्थिक लाभ लेने की खबरें आई हैं कांग्रेस लगातार सवाल कर रही है। केन्द्र सरकार ही नहीं भाजपा भी उन्हें बचाने हेतु दौड़ी चली आती है। बुलाये जाने के बावजूद माधवी बुच के पिछले गुरुवार को सार्वजनिक लेखा समिति (पीएसी) के समक्ष उपस्थित न होने से उनके तथा सरकार के संशयास्पद रिश्ते और प्रगाढ़ दिखते हैं। पवन खेड़ा ने प्रेस कांफ्रेंस में आरोप लगाया कि सरकार बुच को बचा रही है। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा सोमवार को जारी वीडियो का हवाला दिया जिनमें राहुल पूछ रहे हैं कि श्केन्द्र सरकार के सामने ऐसी क्या मजबूरी है कि वह बुच को बचा रही है? क्या माधवी सरकार को ब्लैकमेल कर रही हैं? राहुल गांधी ने यह भी चेताया कि श्लोकतांत्रिक ढंग से निर्वाचित किसी भी सरकार के लिये यह सम्भव नहीं होता कि वह किसी दागी व्यक्ति को बचाये जिसके बारे में सार्वजनिक डोमेन में स्पष्ट आरोप हों।श् राहुल गांधी द्वारा अपलोड किये गये इन वीडियो में पवन खेड़ा बुच पर लगे आरोपों की बारीकियां समझाते दिख रहे हैं। इसके पहले 24 अक्टूबर (गुरुवार) को भी राहुल गांधी ने एक वीडियो जारी किया था जिसमें उन्होंने बताया था कि कांग्रेस के महासचिव एवं सांसद केसी वेणुगोपाल की अध्यक्षता में पीएसी की इस मसले पर उस दिन आयोजित बैठक में माधवी बुच को उपस्थित होना था लेकिन वे यह कहकर उपस्थित नहीं हुई कि उनके लिये अभी मुम्बई से दिल्ली की यात्रा करना मुमकिन नहीं है।श् इसे लेकर राहुल ने भाजपा पर बड़ा हमला करते हुए कहा था कि श्कोई तो है जो उन्हें (बुच को) पीएसी के प्रति जवाबदेह बनने से रोक रहा है।श् राहुल ने पूछा था कि श्आखिर क्यों माधवी बुच पीएसी के सवालों का जवाब देने से कतरा रही हैं और उन्हें बचाने की किसकी योजना है? राहुल ने यह सारा कुछ अपने एक्स अकाउंट पर भी अपलोड किया है। बुच के न आने से पीएसी की बैठक को रद्द करना पड़ा था। इसके बाद वेणुगोपाल ने पत्रकारों को बतलाया था कि उन्हें सुबह ही माधवी बुच ने सूचित किया था कि वे दिल्ली आने में असमर्थ हैं। वैसे इसी वर्ष सितम्बर में जब उन्हें लेकर अनेक खुलासे हुए थे तब माधवी एवं उनके पति धवल बुच ने एक संयुक्त बयान जारी कर कहा था कि उन दोनों के खिलाफ लगाये गये सारे आरोप झूठे, असत्य और दुर्भावनापूर्ण हैं। उन्होंने यह भी कहा था कि उन दोनों के इनकम टैक्स रिटर्न को आरोप लगाने वालों ने अवैधानिक तरीके तथा धोखाधड़ी से हासिल किये हैं। जिन वीडियोज का जिक्र ऊपर किया गया है वे दरअसल राहुल तथा पवन के पॉडकॉस्ट के हिस्से हैं। इनमें राहुल अपने पार्टी सहयोगी से यह कहते सुने गये हैं कि उन्होंने सेबी अध्यक्ष के खिलाफ काफी सबूत जुटाये हैं। पवन खेड़ा इस बात का सिलसिलेवार ब्यौरा दे रहे हैं कि कैसे एक नियामक संस्था सेबी को सुनियोजित तरीके से कमजोर कर दिया गया जिसका विपरीत असर करोड़ों निवेशकों पर पड़ा है। सेबी का नेतृत्व इन सबकी कीमत पर बड़े कारोबारी घरानों के हितों की रक्षा कर रहा है। बुच कार्पोरेट एजेंडा को जांचने या लगाम लगाने की बजाये उसे और आगे बढ़ा रही हैं। खेड़ा ने याद दिलाया कि 2022 में यह पद सम्हालने वाली बुच निजी क्षेत्र से आई थीं और पहली बार ऐसा हुआ था (इसके पहले कोई वरिष्ठ आईएएस अधिकारी ही यह पद सम्हालता आया था)। उम्मीदों के अनुरूप उन्होंने निजी क्षेत्र के हित पोषण का ही काम किया है। माधवी बुच तब चर्चा में आई थीं जब हिंडेनबर्ग रिपोर्ट ने खुलासा किया था कि उन्होंने तथा उनके पति ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के करीबी कहे जाने वाले गौतम अदानी के भाई विनोद अदानी की ऑफशोर कम्पनियों में निवेश किया हुआ है। हालांकि दोनों ने अपने बही–खातों तथा जीवन को खुली किताब बतलाया था। वैसे पुराने आरोपों के अलावा मंगलवार की प्रेसवार्ता में पवन खेड़ा ने एक नया आरोप जड़ दिया है। उन्होंने खुलासा किया कि सेबी चीफ के विनोद अदानी की कम्पनी के अलावा प्रेडिबल हेल्थ प्राइवेट लिमिटेड में भी शेयर हैं और वहां भी वे पूर्णकालिक सदस्य का पद धारण की हुई हैं। इसे हितों के टकराव की संज्ञा देते हुए खेड़ा ने बताया कि यह श्एकाधिकार बचाओ समूह है जो अदानी ग्रुप, प्रमुख नियामक संस्था (आशय: सेबी) तथा भाजपा का खतरनाक गठजोड़ है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बुच ने अपनी एक प्रॉपर्टी को ऐसी कम्पनी को किराये पर चढ़ाया है जो निजी तौर पर इंडियाबुल्स ग्रुप से सम्बद्ध है और जो फिलहाल जांच के दायरे में है। वैसे तो अब तक बुच दम्पति में से किसी का भी या अदानी ग्रुप का इन आरोपों पर स्पष्टीकरण नहीं आया है लेकिन इस मामले पर सरकार का चुप रहना भी सवालिया निशान खड़ा करता है कि आखिर ब्लैकमेलिंग जैसे गंभीर आरोप जब कांग्रेस की तरफ से लग रहे हैं, तब भी सरकार अपना पक्ष क्यों नहीं रख रही। आखिर चुप्पी तोड़ने के लिए यह किस मौके का इंतजार कर रही है।

# एकता की दुहाई बांटने का काम

**राजेन्द्र शर्मा**

आखिरकार केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह की श्हिंदू जागरण यात्राश ने कम से कम बिहार के शासन को जागने पर मजबूर दिया है। किशनगंज में मंत्री महोदय के खिलाफ सांप्रदायिक भावनाएं भड़काने से संबंधित धाराओं में मुकद्दमा दर्ज हुआ है। अनुमान लगाना मुश्किल नहीं है कि इस मुकदमे ने बिहार की नीतीश कुमार सरकार और भाजपा की गिरिराज लॉबी के बीच पहले ही असहज रिश्तों में तनाव और बढ़ा दिया होगा। वैसे यह मोदीशाही में सांप्रदायिक नारों और आह्वानों को मुख्यधारा में स्थापित किए जाने का ही संकेतक है कि मीडिया के लिए खबर गिरिराज सिंह की यात्रा के संबंध में किशनगंज में मुकदमा दर्ज कराए जाने में ही है न कि एक केंद्रीय मंत्री के ऐसी खुल्लमखुल्ला सांप्रदायिक यात्रा पर निकलने में, जिसके चलते अनिच्छुक न्याय प्रशासन को भी आखिरकार मुकदमा दर्ज करना पड़ा है। कहने की जरूरत नहीं है कि यह मामला भी प्रशासन द्वारा कोई स्वतरू संज्ञान लेकर दर्ज नहीं कराया गया है। यह मुकदमा एमएआईएम द्वारा अदालत में शिकायत दिए जाने पर दर्ज हुआ है। याद दिलाते चलें कि केंद्रीय मंत्री की इस यात्रा में, जो सचेत रूप से बिहार के सीमांचल माने जाने वाले चार अपेक्षाकृत अधिक मुस्लिम आबादी वाले इलाकों से निकाली गई, उनके दो आह्वान खासतौर पर सुर्खियों में रहे हैं। एक तो उनका हिंसा के लिए कथित हिंदू एकता का सांप्रदायिक आह्वानकृअगर मुसलमान किसी को एक थप्पड़ मारे, तो सब हिंदू मिलकर उसको सौ थप्पड़ मारो। दूसरे हिंदुओं से हथियार रखने का आह्वानकृअब घर में भाला, तलवार, त्रिशूल, छुरा रखना शुरू करें। हैरानी की बात नहीं है कि इन व्यावहारिक आह्वानों के साथ, उग्र हिंदुत्व का प्रदर्शन करने के लिए बराबर चर्चा में रहने वाले मंत्री महोदय ने, उग्र हिंदुत्व के और बड़े आइकॉन, उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री, योगी आदित्यनाथ का ताजातरीन नारा दुहराया, जो आम चुनाव में आम तौर पर देश भर में और खासतौर पर उत्तरप्रदेश में, भाजपा को तगड़ा झटका लगने की पृष्ठभूमि में दिया जा रहा है–बटोगे तो कटोगे! यह दूसरी बात है कि इस नारे की शुरुआत बंगलादेश की हाल की बड़ी राजनीतिक उठा–पटक के संदर्भ में, वहां हिंदू अल्पसंख्यकों मंदिरों आदि पर हमलों तेजी के संदर्भ में हुई थी। लेकिन, जल्द ही संघ परिवार ने इसे भारतीय संदर्भ में अपनी इस शिकायत से जोड़ दिया कि उनके विरोधी इंडिया गठबंधन को तो मुसलमानों ने एकमुश्त वोट दिया था, लेकिन हिंदू वोट बंट गया और इसी का नतीजा यह हुआ कि खुद को हिंदू वोट का स्वाभाविक दावेदार मानने वाली भाजपा के मंसूबे अधूरे रह गए। और तो और खुद प्रधानमंत्री मोदी ने भी विशेष रूप से महाराष्ट्र की अपनी सभाओं में, अपने ही शब्दों में इस शिकायत को दोहराया है। महाराष्ट्र के आने वाले विधानसभाई चुनाव के लिए हिंदुओं की गोलबंदी की अपील करते हुए उन्होंने कहा कि उनका वोट बैंक तो एकमुश्त वोट कर देगा, पर आपका वोट बंट गया तो, उनके यहां जश्न हो जाएगा। अगर सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की यह बोली अब आगे महाराष्ट्र और झारखंड के चुनाव सुनाई नहीं दे तो ही अचरज की बात होगी। वास्तव में महाराष्ट्र की ही तरह, झारखंड में भी चुनाव की तारीखों की घोषणा से पहले से ही, सांप्रदायिक गोलबंदी की ये पुकारें खुलेआम शुरू हो गई थीं। झारखंड में इस सिलसिले में खासतौर पर उसके बंगाल से लगती हुई सीमाओं वाले जिलों में बसे मुसलमानों को बांग्लादेशी घुसपैठिया बताकर निशाना बनाया जा रहा था। असम के भाजपायी मुख्यमंत्री, हिमंत बिश्वशर्मा के नेतृत्व में, असम की ही तरह झारखंड में भी अवैध घुसपैठ से इस इलाके के आदिवासी चरित्र तथा पहचान के खतरे में होने का नैरेटिव गढ़ा जा रहा था। वास्तव में असम के मुख्यमंत्री ने तो भाजपा के सत्ता में आने पर झारखंड में भी राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) कराने का वादा भी करना शुरू कर दिया था। यह दूसरी बात है कि उन्होंने यह बताने की जहमत नहीं उठाई कि उनके असम में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर हजारों करोड़ रुपए खर्च कर के जो एनआरसी अपडेटिंग कराई गई थी उसका आखिर में क्या हुआ? उस एनआरसी को अब वह भाजपा सरकार भी स्वीकार करने के लिए तैयार क्यों नहीं है, जो एनआरसी को सभी समस्याओं का रामबाण इलाज बता रही थी। सभी जानते हैं कि असम में एनआरसी के नतीजे क्योंकि संघ–भाजपा के नैरेटिव के हिसाब से नहीं आये थे और वास्तव में इस एनआरसी में जिन लोगों की भारतीय नागरिकता संदिग्ध पाई गई थी, उनमें बहुमत चूंकि हिंदुओं का था, ये सूचियां सामने आते ही संघ–भाजपा ने पांव पीछे खींचने शुरू कर दिये थे और इस एनआरसी को अस्वीकार करना शुरू कर दिया था। बहरहाल, अब जबकि सीधे आरएसएस के उप–प्रमुख होजबोले ने श्बटेंगे तो कटेंगेश के नारे पर यह कहकर मोहर लगा दी है कि आरएसएस का तो हमेशा से ही यह विचार कर रहा है और वह हिंदुओं को एकजुट करने में लगा रहा है, इस नारे का संघ परिवार द्वारा आगे व्यापक पैमाने पर इस्तेमाल किया जाना तय है। इस सिलसिले में यह याद दिलाना भी अप्रासंगिक नहीं होगा कि आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने इस दशहरे के अपने विशेष संबोधन में बंगलादेश की घटनाओं के संदर्भ से हिंदुओं के एकजुट तथा संगठित होने की जरूरत पर विशेष जोर तो दिया ही था, जनता के विभिन्न तबकों को एकजुट तथा संगठित करने वाली ताकतों को ही बांटने वाली ताकतें बताकर इस एकता के लिए उनसे खतरा बताते हुए, खासतौर पर सचेत किया था। इस क्रम में भागवत ने यह भी स्पष्ट कर दिया था कि संघ और उसका परिवार उत्पीड़ित–वंचितों को उनके अधिकारों के आधार पर संगठित करने के प्रयासों को, इन तबकों के अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाने तथा संघर्ष करने को, हिंदू समाज को बांटने की कोशिशों के रूप में ही देखता है।

बटेंगे तो कटेंगे के नारे में, बटेंगे से कम न ज्यादा, ठीक यही आशय है। संघ–भाजपा के (हिंदू) श्एकताश के नारे और उसके लिए श्बंटनेश के खतरे का बुनियादी खोट, यही है कि उसे हिंदुओं की एकता तो चाहिए और यह एकता अपने संगठन के पीछे चाहिए, लेकिन हिंदुओं को वास्तव में जो चीजें बांटती हैं, उनका निराकरण करने के लिए उसे कुछ भी करना मंजूर नहीं है बल्कि वह तो कुछ भी करने के खिलाफ है। वे सामाजिक रूप से एक यथास्थिति का ही प्रतिनिधित्व करने वाली ताकत हैं। भारतीय संदर्भ में वास्तव में बांटने वाली सबसे बड़ी चीज तो जाति वर्ण व्यवस्था ही है, जो ऊपर की जाति द्वारा नीचे वाली जाति के दमन पर, उनके मानवीय अधिकारों के हनन पर आधारित व्यवस्था है। बेशक, आधुनिक भारत के निर्माण की प्रक्रिया, जो स्वतंत्रता के लिए संघर्ष के साथ शुरू हुई थी और स्वतंत्रता के बाद कभी तेज तो कभी रुक–रुक कर जारी रही है, जाति पर आधारित इस दमन को ध्वस्त कर, सामाजिक बराबरी की स्थापना के लिए संघर्ष की भी परंपरा रही है। इस परंपरा में सामाजिक आंदोलनों से लेकर सामाजिक बराबरी पर आधारित व्यवस्था के हमारे संविधान तक, सभी शामिल हैं। लेकिन इस धारा के विपरीत, संघ परिवार शुरूआत से इस विभाजन के दमनकारी के पक्ष के साथ रहा है, न कि दमित पक्ष के। अपने एक सदी के इतिहास में उसने ऊंची जातियों के विशेषाधिकारों की हिमायत से लेकर निचली जातियों के दमन की सच्चाई को नकारने तक की कई मुद्राएं बदली हैं, जातिप्रथा के महिमा मंडन से लेकर उसके अस्तित्व से ही इंकार करने तक सिद्धांत गढ़े हैं और अब पिछले कुछ समय से बड़ी हिचक के साथ उसकी सच्चाई को स्वीकार करना भी शुरू किया है।

# क्या अब लक्ष्मीजी बेड़ा पार करेंगी

**अरविन्द मोहन**

दुष्यंत कुमार की कुछ पंक्तियां रह–रह कर याद आती हैं–न हो कमीज तो पांवों से पेट ढक लेंगे,ये लोग कितने मुनासिब हैं इस सफर के लिए। जी हां, जिस तरह अर्थव्यवस्था की कमजोरियां रह–रहकर सामने आ जाती है और फिर दुनिया में सबसे तेज विकास और पांच ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनने के दावे होते हैं (और सामान्य ढंग से उस पर विश्वास भी किया जाता है) वह बताता है कि सरकार के दावों और आंकड़ो को जांचने–परखने और अपने प्रत्यक्ष अनुभवों के आधार पर उन पर शक करने का काम आम लोगों ने ही नहीं मीडिया ने भी छोड़ दिया है। सभी श्रद्धा–भाव से नत हैं– कमीज न हो तो पांव से पेट ढककर भी संतुष्ट हैं। कई धनात्मक और ऋणात्मक सूचनाओं के बीच जब यह खबर आई कि कारों की बिक्री थमने लगी है और कंपनियां अपने उत्पाद पर भारी डिस्काउंट देकर अपना स्टाक हल्का करना चाहती हैं तब भी किसी का ध्यान खास नहीं गया। डिस्काउंट दस–दस लाख का है– जाहिर है कारें भी सत्तर –अस्सी लाख की होंगी। फिर जब शेयर बाजार भरभराकर गिरा तब भी कभी हिंडनबर्ग को विलेन बनाने की कोशिश की गई, कभी अमेरिकी बैंकिंग नीति को। निर्यात में कमी की रिपोर्ट आती है तो यूरोप में मांग घटने और अमेरिका में व्यापार संबंधी बाड़ ऊंची करने को दोष दिया जाता है। करखनिया उत्पादन घटाने को भी खास परेशानी का कारण नहीं माना जाता। ऐसा नहीं है कि हर अर्थव्यवस्था हर समय एक ही दिशा में बढ़ती जाती है लेकिन जब तक उसके इन्डिकेटर सही काम कर रहे हो तब उनके आधार पर नीतिगत और प्रशासनिक बदलाव करके चीजों को सुधारने की कोशिश की जाती है। अपने यहां की मुश्किल कई गुना ज्यादा है क्योंकि बीते कुछ समय से आंकड़ों को बताने और छुपाने या सांख्यिकी विभाग द्वारा जारी होने के पहले सारे आंकड़ों को सरकार की नजर से गुजारने की नीति ने काफी कुछ परदे में कर दिया है। यहां जनगणना से लेकर उपभोक्ता और रोजगार संबंधी सर्वेक्षणों की रिपोर्ट न आने जैसे मामले न भी गिनें तो काफी कुछ ऐसा है जो जानने की उत्सुकता रहती है या जो सही विश्लेषण में मुश्किल पैदा करता है। जैसे पिछले काफी समय से यह अंदाजा लगने लगा था कि उपभोक्ता वस्तुओं की मांग में कमी आई है। हमारे घरेलू बचत में गिरावट और कर्ज में दोगुनी वृद्धि का व्यावहारिक मतलब यही है कि सामान्य आदमी अपने उपभोग में कमी करके इस स्थिति से निपटना चाहता है। प्याजटमाटर की महंगाई के समय वित्त मंत्री भी इनकी कम खपत का सुझाव देती ही हैं। अगर इसके ऊपर सब्जियों और अनाज की महंगाई को जोड़ दें तो साफ लगेगा कि सिर्फ उपभोक्ता वस्तुओं की खरीद में ही नहीं पेट काटने का दौर भी शुरू हो चुका है। वित्त मंत्रालय द्वारा जारी नवीनतम आंकड़े बताते हैं कि अर्थव्यवस्था में मंदी या सुस्ती का प्रवेश हो चुका है। आंकड़े बताते हैं कि गांवों में तो उपभोक्ता वस्तुओं की मांग बनी हुई है लेकिन शहरी मांग घटती जा रही है और इसका उत्पादन पर असर दिखाई देता है। कार बाजार उसका एक उदाहरण है। पिछली तिमाही में विकास दर भी गिरी है। पिछले साल जीडीपी का विकास 7.8 फीसदी की दर से हुआ जबकि इस वित्त वर्ष की पहली तिमाही में यह 6.7 फीसदी रह गया और दूसरी तिमाही में 6.5 फीसदी पर आ गया है। अब लगता है कि रिजर्व बैंक द्वारा सात फीसदी के विकास का अनुमान पूरा होना मुश्किल होगा। इसकी दो बड़ी वजहें हैं। घरेलू मांग कम होने के साथ अलग–अलग कारणों से यूरोप और अमेरिका में हमारे सामान की मांग घटी है। दूसरी ओर चीन द्वारा अपने यहां निवेश को बढ़ावा देने की नीतियां लागू होने के बाद से हमारे पूंजी बाजार से हजारों करोड़ रुपए की विदेशी पूंजी बाहर गई है। यह क्रम अभी जारी है और शेयर बाजार में उठा–पटक के लिए यही मुख्य कारण है। चीन अपने यहां नया उत्पादन यूनिट लगाने पर कई तरह के आकर्षक कदम उठा रहा है और वहां बड़े पैमाने पर विदेशी निवेश हो रहा है। आज दुनिया में सबसे ज्यादा तेजी चीनी शेयर बाजार में दिख रही है। पूंजी भागने का सीधा प्रभाव हमको अपने यहां सोने की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि, रुपए के मूल्य में कमी और बाजार की गिरावट में दिखाई देती है। अगर मांग न होगी तो करखनिया उत्पादन भी गिरेगा और नई उत्पादक इकाइयों का लगाना मुश्किल होता जाएगा। जो कारखाने चल रहे हैं उनके वार्षिक कारोबार और मुनाफे की रिपोर्ट भी इसी गिरावट का संकेत देती है। जिन 194 लिस्टेड कंपनियों ने अपने कारोबार और मुनाफे की रिपोर्ट सितंबर तक दी है उनके मुनाफे में छह फीसदी की कमी आई है। पिछले वित्त वर्ष में यह गिरावट और ज्यादा थी। इसका कारण मांग की कमी के साथ अदानों का महंगा होना। और अन्य खर्च बढ़ना है। महंगाई की दर से काफी कम दर पर(एक फीसदी से भी कम) मजदूरों की मजदूरी बढ़ी है। जाहिर है इसका मांग पर असर होगा ही। हमारी वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण देश में चाहे जो दावे करती हों पर पिछले दिनों जब वे विश्व बैंक–आईएमएफ की वार्षिक बैठक में गई तो वहां उन्होंने यूरोप–अमेरिका में बढ़ते संरक्षणवाद की शिकायत करने के साथ उन्होंने अर्थव्यवस्था के बदतर होने की शिकायत की और सुधार की उम्मीद का दौर लंबा खींचने की भविष्यवाणी भी कर दी। रिजर्व बैंक भी मान्यता है कि खाद्य पदार्थों की महंगाई चिंताजनक है और इसी चलते वह हाल फिलहाल इन्टरेस्ट रेट में कटौती नहीं कर सकता। अर्थव्यवस्था पर नजर रखने वाले उसके समेत सभी जानकार मानते हैं कि हमारे लिए तत्काल दो चीजें उद्धारक बन सकती हैं। चीन से दोस्ती की आर्थिक वजहें हैं लेकिन पेट्रोलियम पदार्थों की कीमत तत्काल राहत देने के साथ यह भी संकेत देती है कि वह आगे के संकट में आग में घी डालने नहीं जा रही है। बाजार के जानकार लोग उससे भी ज्यादा दीपावली और त्यौहार के मौसम में मांग और खरीद बढ़ाने से अर्थव्यवस्था में जान आने की आस लगाए बैठे हैं।

## प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से छतों में सोलर पैनल लगवायें

### सोलर पैनल लगवाने पर 25 साल तक रेस्कों कंपनी करेगी मेन्टीनेंस

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। बिजली उत्पादन बढ़ाने के लिए परंपरागत स्त्रोतों के स्थान पर नवकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों को बढ़ावा दिया जा रहा है। भारत सरकार द्वारा लागू की गयी प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना इसके लिए सराहनीय पहल है। इस योजना से रीवा जिले के सभी शासकीय भवनों में एक साल की अवधि में सोलर पैनल लगाकर बिजली की खपत को आधा करने तथा अतिरिक्त बिजली को ग्रिड में देने का लक्ष्य रखा गया है। मध्यप्रदेश सरकार ने सौर ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए रेस्कों कंपनी की स्थापना की है। इसके द्वारा छत में सोलर प्लान लगाकर बिजली का उत्पादन किया जा रहा है। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत शासकीय भवनों में रेस्कों कंपनी सोलर पैनल लगायेगी तथा 25 साल तक इसका मेन्टीनेंस करेगी। इस संबंध में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने बताया कि वर्ष 2018 में स्थापित रेस्कों कंपनी ने पूरे प्रदेश में 133 स्थानों पर सोलर पैनल लगाये। चिकित्सा शिक्षा विभाग के मेडिकल कालेज रीवा, सागर, ग्वालियर, शिवपुरी, विदिशा, दतिया तथा खण्डवा में कुल 2992 किलो वाट क्षमता के सोलर पैनल लगाये गये हैं। इनसे इन मेडिकल कालेजों में 13.88 मिलीयन यूनिट बिजली

की बचत हुई। इससे चिकित्सा शिक्षा विभाग को बिना किसी निवेश के 8 करोड़ 34 लाख रूपये की बचत हुई। इसी तरह यदि सभी शासकीय भवनों में रेस्कों कंपनी के सहयोग से सोलर पैनल स्थापित कर दिये जाते हैं तो हर माह लाखों रूपये की बिजली की बचत होगी। साथ ही अतिरिक्त बिजली भी उपलब्ध होगी। सभी कार्यालय प्रमुख शासकीय भवनों में सोलर पैनल लगाने के प्रस्ताव सात दिवस में निर्धारित प्रपत्र में प्रस्तुत कर दें। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में सोलर पैनल लगवायें। जिला शिक्षा अधिकारी स्कूल भवनों तथा अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा सभी कॉलेज भवनों में सोलर पैनल लगवाये। इंजीनियरिंग कालेज, संस्कृत कालेज, आयुर्वेद कालेज, पशु चिकित्सा महाविद्यालय, कृषि महाविद्यालय तथा पॉलिटेक्निक कालेज के प्राचार्य भी सोलर पैनल लगवाने के प्रस्ताव सात दिवस में प्रस्तुत करें। कलेक्टर ने कहा कि आयुक्त नगर निगम शहर के प्रमुख भवनों में सोलर पैनल लगवाने की पहल करें। इसमें निजी भवनों होटल आदि को भी शामिल करें। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सभी जनपद पंचायत कार्यालयों तथा ग्राम पंचायत भवनों में सोलर पैनल लगवायें। जिला संयोजक जनजातीय कार्य विभाग, छात्रावास भवनों तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास, आंगनवाड़ी केन्द्र भवनों में सोलर पैनल लगवाने के प्रस्ताव प्रस्तुत करें। सोलर पैनल लगाने से बिजली का खर्च बचेगा साथ ही बिजली गुल होने पर वैकल्पिक रूप से बिजली की आपूर्ति हो सकेगी। अतिरिक्त बिजली उपलब्ध होने पर इसका ग्रिड के माध्यम से उद्योग, सिचाई तथा अन्य कार्यों में उपयोग हो सकेगा। सभी कार्यालय प्रमुख सोलर पैनल लगवाने के लिए नवकरणीय ऊर्जा विभाग के जिला प्रबंधक नवनीत राठिया से मोबाइल नंबर 7489221867 पर संपर्क कर सकते हैं।

## आयुष्मान योजना का सभी बुजुर्गों को मिलेगा समुचित लाभ

# आयुष्मान योजना का 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को मिलेगा लाभ

रीवा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की मंशा के अनुसार आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने का लगातार प्रयास किया जा रहा है। इस क्रम में राज्य शासन ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना का विस्तार करते हुए 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को प्रति वर्ष 5 लाख रूपये तक का स्वास्थ्य सुरक्षा कवच दिया जाना सुनिश्चित किया है। इस संबंध में आदेश भी कर दिये गये हैं। इससे वरिष्ठ नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएँ मिलेगी। बुजुंगों को आर्थिक चिंताओं से मुक्त करते हुए एक स्वस्थ और सम्मान पूर्ण जीवन जीने में सहायता मिल सकेगी।इस संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजीव शुक्ला ने बताया कि आयुष्मान योजना के नए प्रावधान 29 अक्टूबर 2024 से लागू हो गए हैं। योजना के लिये पात्रता का निर्धारण केवल आधार कार्ड में दर्ज आयु के आधार पर किया जाएगा। पंजीकरण के लिए आधार कार्ड एवं समग्र फैमिली आईडी की आवश्यकता होगी। पात्र वरिष्ठ नागरिकों को योजना में एक नया विशिष्ट कार्ड जारी किया जा रहा है। जो वरिष्ठ नागरिक 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के है और जिनके परिवार पहले से ही योजना के तहत कवर हैं, उन्हें अपने लिए अतिरिक्त 5 लाख रूपये तक की वार्षिक टॉप-अप कवरेज मिलेगी, जिसे वे अपने परिवार के अन्य सदस्यों (जो 70 वर्ष से कम आयु के हैं) के साथ साझा नहीं करेंगे।योजना में 70 वर्ष और उससे अधिक

आयु के अन्य सभी वरिष्ठ नागरिकों को पारिवारिक आधार पर 5 लाख रूपये तक की वार्षिक कवरेज मिलेगा। जो वरिष्ठ नागरिक 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के है और केंद्रीय सरकारी स्वास्थ्य योजना, पूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना, आयुष्मान सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स जैसी अन्य सार्वजनिक स्वास्थ्य बीमा योजनाओं का लाभ उठा रहे है, वे अपनी मौजूदा योजना या इस योजना में से किसी एक को चुन सकते हैं। योजना चयन करने का विकल्प एक बार ही दिया जाएगा। योजना में स्पष्ट किया गया है कि 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के वे वरिष्ठ नागरिक जो निजी स्वास्थ्य बीमा योजनाओं या कर्मचारी राज्य बीमा योजना के अंतर्गत आते हैं, वे भी इस योजना के तहत लाभ प्राप्त करने के पात्र होंगे। जिला अस्पताल सहित सभी अस्पतालों में आयुष्मान स्वास्थ्य कार्ड निःशुल्क बनाए जा रहे हैं। नगरीय निकायों तथा ग्राम पंचायतों में भी आयुष्मान कार्ड बनाने की सुविधा दी गई है। आयुष्मान कार्ड के माध्यम से योजना में चिन्हित 1048 अस्पतालों में उपचार की सुविधा दी जा रही है।

## उप मुख्यमंत्री ने निर्माणाधीन ओपीडी भवन का किया निरीक्षण

# नवीन भवन का निर्माण तय समय सीमा में पूरा करने एवं जिला अस्पताल को श्रेष्ठ उपचार का केन्द्र बनाने के दिए निर्देश

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा।उप मुख्यमंत्री तथा स्वास्थ्य मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने जिला चिकित्सालय के सभागार में आयोजित बैठक में अस्पताल की व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जिला अस्पताल में उपचार की आधुनिकतम सुविधाएं उपलब्ध हैं। नए ओपीडी भवन का निर्माण पूरा होने के बाद इसकी सुविधाओं में और वृद्धि होगी। अस्पताल की सुविधाओं का पूरा उपयोग करके इसे श्रेष्ठ उपचार का केन्द्र बनाएं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा सिविल सर्जन शासन के निर्देशों के अनुरूप 70 साल से अधिक आयु के सभी व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड बनाएं। इससे बुजुर्ग रोगियों को हर साल पाँच लाख रुपए के उपचार की सुविधा मिलेगी। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जिले में दो चरणों में स्वास्थ्य जाँच शिविर लगाए गए। इनमें चिन्हित गंभीर रोगियों के उपचार का लगातार फालोअप करें। प्रत्येक चिन्हित रोगी को उपचार की पूरी सुविधा दें। मुख्यमंत्री बाल ह्मदय उपचार योजना के तहत ह्मदय रोग से पीड़ित बच्चों का चिन्हांकन करने के लिए जिले भर में अभियान चलाएं। आपरेशन योग्य बच्चों को राष्ट्रीय बाल सुरक्षा कार्यक्रम के तहत आपरेशन की निःशुल्क सुविधा दी जा रही है। उप मुख्यमंत्री ने संचारी रोगों के नियंत्रण तथा सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों की उपचार सुविधाएं बेहतर करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग में डॉक्टरों सहित चिकित्साकर्मियों के पद बड़ी संख्या में भरे जा रहे हैं। हर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में विशेषज्ञ डॉक्टरों की तैनाती की जाएगी। नवीन अस्पतालों में डॉक्टरों और स्टाफ नर्स के पदों की पूर्ति सुनिश्चित करें। उप मुख्यमंत्री ने बैठक के बाद जिला अस्पताल परिसर में निर्माणाधीन नवीन ओपीडी भवन के निर्माण का निरीक्षण किया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि निर्माण कार्य तय समय सीमा में पूरा करें, जिससे आमजनता को समय पर उपचार सुविधाओं का लाभ दिया जा सके। सिविल सर्जन निर्माण कार्यों की प्रगति की नियमित रूप से रिपोर्ट प्रस्तुत करें। सभी ब्लॉक मेडिकल आफीसर भी अपने क्षेत्र में निर्माणाधीन स्वास्थ्य संस्था के भवनों की प्रगति की नियमित जानकारी दें। लापरवाही करने वाली निर्माण एजेंसी के विरूद्ध कार्यवाही प्रस्तावित करें। इस अवसर पर नगर निगम में अध्यक्ष श्री व्यंकटेश पाण्डेय, कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजीव शुक्ला, सिविल सर्जन डॉ एमएल गुप्ता, डॉ बीके अग्निहोत्री, कार्यपालन यंत्री अनामिका सिंह, कार्यपालन यंत्री हाउसिंग बोर्ड अनुज प्रताप सिंह, निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि, सभी मेडिकल आफीसर तथा बीएमओ उपस्थित रहे।

## रीवा बंद - गैंगरेप और नशे के खिलाफ कांग्रेस सड़को पर, बंद कराई दुकानें...

# शहर का शिल्पी प्लाजा बाजार पूरा बंद, शहर के अन्य इलाकों में भी बंद का देखा जा रहा असर...

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। महिलाओं एवं बहन बेटियों के साथ हो रहे दुष्कर्म की बड़ती वारदातें व कोरेक्स एवं मेडिकल नशे व गांव गांव हो रही शराब की पैकारी एवं बिक्री के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी के 07 दिवसीय आंदोलन के अंतिम चरण में जिला कांग्रेस कमेटी के आहवान पर रीवा बंद शत प्रतिशत सफल रहा। इंजी. राजेन्द्र शर्मा ने कहा कि यह सफल रीवा बंद, व्यापारियों एवं रीवा के जनमानस के सहयोग से हो पाया है, हमारे इस आंदोलन एवं रीवा शहर बंद को जनता ने अपनी स्वीकृति की मुहर लगा दी है। इस 7 दिवसीय आंदोलन में जिला कांग्रेस कमेटी के सभी पदाधिकारी, सेवादल, महिला कांग्रेस, एन.एस.यू.आई. पिछड़ा वर्ग संगठन, अनुसूचित जाति एवं जनजाति विभाग के पदाधिकारियो तथा हमारे शीर्ष नेता, पूर्व राज्यसभा सदस्य राजमणि पटेल, विधायक सेमरिया अभय मिश्रा, पूर्व विधायक लक्ष्मण तिवारी, विद्यावती पटेल, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव गुरूमीत सिंह मंगू, विधानसभा प्रत्याशी रमाशंकर सिंह पटेल एवं संगठन मंत्री रवि तिवारी, शहर अध्यक्ष लखनलाल खण्डेलवाल, कविता पाण्डेय, प्रदेश सचिव एवं पूर्व विधायक शीला त्यागी, रामगरीब बनवासी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष एवं विधानसभा प्रत्याशी बबिता साकेत, कार्यकारी जिलाध्यक्ष गिरीश सिंह, कुंवर सिंह, शहर कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष मानवेन्द्र सिंह नीरज, वसीम राजा, अनिल मिश्रा, सज्जन पटेल, पूर्व प्रदेश महासचिव मनीष गुप्ता, के. के. गुप्ता, गोविंद दास तिवारी, शिवप्रसाद

प्रधान, महिला जिला कांग्रेस अध्यक्ष सीमा सिंह, शहर अध्यक्ष तारा त्रिपाठी, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष मुस्ताहाक खान शहर अध्यक्ष अकरम अंसारी सहित सभी ने बढ़ चढ़कर आंदोलन को सफल बनाने में महती भूमिका का निर्वहन किया है। उन्होंने कहा है कि रीवा के व्यापारियों ने हमारी बहन बेटियों की अस्मिता की रक्षा के लिए और मेडिकल नशे की ओर ढकेले जाने वाले युवाओं के भविष्य के लिए, आज के बंद को समर्थन दिया जिसके लिए उन्होंने सभी व्यपारियों के प्रति आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित करते हैं। रीवा की जनमानस से इस शांतिपूर्ण बंद एवं आंदोलन सफल बनाने में दिये गये सहयोग के प्रति भी आभार ज्ञापित करते है। अभी यह आंदोलन समाप्त नहीं हुआ है यदि इस संवेदनशील मुद्दे को शीघ्र हल नहीं किया गया तो कांग्रेस पार्टी पूरे जिले में गांव गांव, गली गली, ब्लॉक वार इस आंदोलन को चलाएगी एवं सड़क पर उतरकर उग्र आंदोलन भी करेगी।आंदोलन को सफल बनाने में डॉ. एस.पी.एस तिवारी, पूर्व शहर अध्यक्ष अब्दुल शहीद मिस्त्री, सत्यनारायण तिवारी, हर्षलाल शुक्ला, विपिन पाण्डेय, रमाकांत मिश्रा, बृजवासी प्रसाद मिश्रा, मयंकधर द्विवेदी, नरेश गुप्ता, डॉ. विनोद शुक्ला, सिद्धनाथ पाण्डेय, सुरेश वर्मा, बृजेश पाण्डेय, ब्लॉक अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तिवारी, अरूण सिंह पिंटू, धनेन्द्र द्विवेदी, लक्ष्मण कुशवाहा, नरेन्द्र अग्निहोत्री, जीतेन्द्र सिंह, महेन्द्र उपाध्याय, पद्मदीप शुक्ला, विवेकानंद तिवारी, संतोष सोहगौरा, बलराम गौतम, रामकीर्ति शर्मा, शिवेन्द्र प्रताप सिंह, अखिलेश द्विवेदी काकू, अरूण तिवारी मुन्नू, अनिल तिवारी, आनंद कुशवाहा, अनूप सिंह चंदेल, पंकज उपाध्याय, धनेन्द्र सिंह, रवि तिवारी, सहफूज खान, मनीष नामदेव, साबिर अंसारी, रमा दुबे, विनोद शर्मा, अशोक पटेल झब्बू, उमेश वर्मा, गुले अहमद, डॉ. विमल दुबे, मानिक लाल सोनी, प्रेमलाल विश्वकर्मा, अर्चना द्विवेदी, ममता सिंह परिहार, सुशीला कुशवाहा, ममता तिवारी, लक्ष्मी सिंह, वंदना श्रीवास्तव, नीलम पाण्डेय, प्रभा सोहगौरा, सोनू रावत, प्रदीप अवस्थी, जी.पी. त्रिपाठी, रफीक अंसारी, रोहिणी साकेत, धर्मेश शुक्ला, अरूण गौतम, अमित कोल, अमित द्विवेदी, अमित अग्निहोत्री, मकदूम खान, रवीन्द्र सोहगौरा, उदित नारायण मिश्रा, प्रिंस मिश्रा, रामकृष्ण ताम्रकार, राजेश बंसल, राजेन्द्र विश्वकर्मा, राजेश नामदेव, राजेन्द्र तिवारी, मुर्तुजा अंसारी, अनवर अंसारी, सुनील दुबे, अशोक पटेल, राजेश तिवारी, जयप्रकाश श्रीवास्तव, जय सिंह, रवि सुमित सिंह, नवीन सिंह, रावेन्द्र सिंह छोटू, सहित कई कांग्रेस के जाबांज सिपाहियों ने रीवा बंद कराने में अहम भूमिका निभाई।

# रीवा में खौफनाक वारदात - सौतन ने पत्नी पर बरसाए चाकू, खून से नहाई महिला, चेहरे पर किए चाकू से सैकड़ों वार

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। जिले में दीपावली के दिन बेहद ही खौफनाक मामला सामने आया है। यहां एक शख्स की दो पत्नियों के बीच हुए विवाद के दौरान सौतन ने पहली पत्नी को चाकू से गोद डाला। इस घटना में घायल हुई महिला का एक खौफनाक वीडियो भी सामने आया है जिसमें महिला खून से पूरी तरह से नहाई हुई नजर आ रही है।बताया जा रहा है की सौतन ने महिला के चेहरे और शरीर पर चाकू से सैकड़ो बार किया जिससे वह पूरी तरह घायल हो गई है।फिलहाल घायल हुई महिला को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है तो वहीं आरोपी महिला को गिरफ्तार कर मौके से वारदात में प्रयुक्त खून से सना हुआ चाकू भी बरामद कर लिया।दरअसल घटना गुरुवार को दीपावली की सुबह जिले के सोहागी थाना क्षेत्र अंतर्गत रामपुर सोनौरा चौकी के चौरा गांव का है।घटना के संबंध में सोहागी थाना प्रभारी पवन शुक्ला ने जानकारी देते हुए बताया कि चौरा गांव में रहने वाले

वर्मा परिवार में एक शख्स की दो पत्नियों के बीच विवाद हो गया।बताया गया की एक शख्स की पहली पत्नी जया वर्मा बीमारी से ग्रसित थी जिसके चलते शख्स ने दूसरी शादी मानसी वर्मा से कर ली।एक ही घर में एक साथ रह रही दो पत्नियों के बीच दीपावली के दिन हुए विवाद के दौरान सौतन बनी दूसरी पत्नी मानसी ने पहली पत्नी जया को चाकुओं से गोद डाला।आरोपी महिला ने पति की पहली पत्नी के चेहरे और शरीर पर चाकू से कई वार किये, जिससे वह बुरी तरह से जख्मी होकर खून से लहूलुहान हो गई। फिलहाल घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है और वारदात में प्रयुक्त चाकू को बरामद कर मामले को जांच में लिया है, वहीं घायल महिला का उपचार कराया जा रहा है।

# भैरव बाबा मंदिर गुढ़ में पुलिस अधीक्षक रीवा के निर्देश पर भैरव बाबा बीट की हुई स्थापना

### गुढ़ थाने से दो आरक्षक तैनात रहेंगे भैरव बाबा बीट में, मोटरसाइकिल से करते रहेंगे आस पास के क्षेत्रों में भ्रमण

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। विगत कुछ दिन ही पहले भैरव बाबा मंदिर में पति-पत्नी दर्शन करने मंदिर आए थे और मंदिर से कुछ दूरी पर जाकर वार्तालाप कर रहे थे जहां पर कुछ हैवानों ने उनके साथ गैंगरेप जैसी बड़ी घटना को अंजाम दे दिया जिससे गुढ़ क्षेत्र ही नहीं पूरे मध्य प्रदेश ने इस घटना को झांकझोर दिया जहां गुढ़ पुलिस ने आरोपियों को सलाखों के पीछे पहुंचाया?। वहीं अब इसके लिए रीवा पुलिस अधीक्षक महोदय श्री विवेक सिंह के द्वारा निर्देशित किया गया है कि भैरव बाबा मंदिर के पास एक भैरव बाबा बीट बनाई गई है। जो की गुढ़ थाना प्रभारी शैल यादव के निर्देशन पर दो आरक्षक

वहां पर तैनात रहेंगे और वह आसपास के क्षेत्र में टू व्हीलर वाहन से भ्रमण भी करते रहेंगे और वहां पर आने-जाने वाले लोगों के ऊपर जो नशा कोरेक्स गाजा आदि का वहां पर जाकर सेवन करते हैं अगर पकड़े जाने पर उन पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी। इसके फलस्वरूप यह बीट प्रक्रिया आज से ही चालू हो गई है। जहां गुढ़ थाना प्रभारी अपने समस्त स्टाफ के साथ आज भैरव बाबा मंदिर में पहुंचकर भैरव बाबा की पूजा की वहां की पुजारी से मुलाकात कर आसपास के क्षेत्र की जानकारी ली और साथ ही वहां पर दो आरक्षकों की तैनाती कर दी गई है। जो आसपास के क्षेत्र में बाइक से भ्रमण करते रहेंगे और आसमाजिक तत्व जो भैरव बाबा मंदिर के आसपास नशा खोरी करते हैं और मंदिर को बदनाम करते हैं उनके खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

# माताओं बहनों द्वारा भजनों का कार्यक्रम हुआ सम्पन्न

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

हैदराबाद -सीरवी समाज ट्रस्ट करमनघाट अलमासगुड़ा हैदराबाद वडेर प्रांगण में रविवार को माताओ बहिनों के भजनों एवं भोजन प्रसाद के लाभार्थी परिवार भाणाराम, भुराराम सुपुत्र श्रीमती चगनी बाई धर्म पत्नी स्व. भेराराम वरपा मरुधर में गांव धनला वेरा मालोबा आट खारसीया एंव भेरू सागर फर्म रामदेव हार्डवेयर पेन्टस एंव लक्ष्मी इलेक्ट्रिकल्स बिऐन रेड्डी नगर वनस्थलीपुरम हैदराबाद वालो द्वारा सुबह 11ः15 बजे से गाजे बाजे के साथ नाचते हुए श्री आई माताजी को भोग लगाकर माताजी की आरती बोली गई। बोली के लाभार्थी परिवार द्वारा बोली की राशि समाज को सुपुर्द की और बोली के लाभार्थी परिवार का समाज द्वारा माला एंव दुपट्टा से स्वागत किया गया। माताओ बहिनो द्वारा भजनों का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। उसके बाद सभी समाज बन्धुओ के लिए भोजन प्रसाद का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ लाभार्थी परिवार के सदस्य भाणाराम, भुराराम, वोराराम, ताराराम, सरुपराम, रमेश, छोगाराम, नरेश, धनराज, अर्जुन, उत्तम, मुकेश एंव सम्पूर्ण वरपा परिवार द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित समाज के अध्यक्ष प्रकाश आगलेचा उपाध्यक्ष चेनाराम सिन्दड़ा सचिव पुखराज चोयल सहसचिव गजाराम सैणचा कोषाध्यक्ष दौलतराम पंवार सह कोषाध्यक्ष मंगलाराम परिहारिया, सह खेलमंत्री मोतीलाल, मिडिया प्रभारी गोविंद पंवार, पूर्व अध्यक्ष हंसाराम आगलेचा, सचिव हिरालाल सैणचा, चुन्नीलाल वरपा, वेनाराम वरपा, अमराराम सिन्दड़ा, दिलीप आगलेचा एंव समाज के कार्यकारणी मेम्बर उपस्थित हिरालाल सैणचा की और से सभी समाज बन्धुओ एंव माताओ को दीपावली की हार्दिक बधाई एंव शुभकामनाएं दी।

# युवक की मौत से आक्रोशित परिजनों ने सिटी कोतवाली के सामने इटावा रोड़ पर शव रखकर किया चक्काजाम

## परिजनों ने 50 लाख रुपये मुआवजा दिलाने एवं आरोपियों के घर पर बुलडोजर चलाए जाने की कि मांग

पंकज त्रिपाठी
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। 22 वर्षीय नवयुवक विष्णु यादव जो कि अपने परिवार के भरण पोषण करने वाला जिम्मेदार व्यक्ति था, जिसकी दिनांक 02/11/2024 की दरम्यानी रात्रि में गोली मारकर हत्या कर दिये जाने से यादव समाज में तीव्र आक्रोश व्याप्त है तथा विष्णु यादव की हत्या हो जाने से उसका परिवार भरण-पोषण के लिए मोहताज हो गया है यादव समाज जिला भिण्ड ने जिला प्रशासन को ज्ञापन पत्र सौपकर जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन से हत्यारों के विरूद्ध शीघ्र वैधानिक कार्यवाही की मांग की तथा पीड़ति परिवार को शासन-प्रशासन से शीघ्र आर्थिक सहायता के रूप

में मुआवजा दिलाये जाने की मांग की है

**परिजनों द्वारा की गई मुख्य मांगे -** विष्णु यादव के हत्यारों के विरूद्ध पुलिस थाना शहर कोतवाली भिण्ड में दर्ज अपराध में चिन्तित अपराधियों पर ईनाम घोषित कर शीघ्र गिरफ्तारी कर दण्ड दिलाया जावे। हत्यारों के मकानों पर बुलडोजर की कार्यवाही कर ध्वस्त किये जावें। पीड़ति

परिवार को आत्मरक्षार्थ शस्त्र लाइसेंस दिलाया जावे। पीड़ति परिवार के भरण-पोषण के लिए 50 लाख रुपये का मुआवजा दिलाया जावे। आरोपी रामसिंह तोमर के नाम से 315 बोर व 12 बोर का शस्त्र लाइसेंस निरस्त किया जावे। पुलिस अधीक्षक डॉ. असित यादव,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव पाठक,सीएसपी अरुण कुमार उईके,सिटी कोतवाली टीआई प्रवीण चौहान के अलावा बड़ी मात्रा में पुलिस बल मौजूद रहा।

# धूमधाम से मनाया गया बहन- भाई के अटूट प्रेम का प्रतीक भाईदूज पर्व

अनूप सिंह ठाकुर ब्यूरो रिपोर्ट
पुष्पांजलि टुडे ललितपुर

ललितपुर। बहन-भाई के अटूट प्रेम का प्रतीक भाई दूज का पर्व जिलेभर में हर्षोल्लास के साथ परंपरागत तरीके से मनाया गया। बहनों ने भाइयों के माथे पर तिलक कर जहां उनकी लंबी आयु की कामना की। वहीं भाइयों ने भी बहनों को उपहार भेंट कर उनके प्रति अपने प्रेम को दर्शाया। दीपावली के दो दिन बाद भाई दूज का पर्व रविवार को धूमधाम से मनाया गया। बहनों ने अपने भाइयों के माथे पर तिलक कर उनकी लंबी आयु के लिए कामना की। वहीं भाईयों ने भी अपनी बहनों की रक्षा का वचन दिया और उपहार देकर उन्हें खुश किया। भाई-बहन के अटूट स्नेह के बंधन का नाम ही भैया दूज कहलाता है। शास्त्रों के अनुसार सूर्य की संज्ञा से दो संतान थी, एक पुत्र यमराज व दूसरी पुत्री यमुना। संज्ञा सूर्य का तेज सहन न कर पाने के कारण अपनी छाया मूर्ति का निर्माण कर उसे ही अपने पुत्र-पुत्री को सौंपकर वहां से चली गई। छाया को यम और यमुना से किसी प्रकार का लगाव न था, लेकिन यम और यमुना में बहुत प्रेम था। यमराज अपनी बहन यमुना से बहुत प्यार करते थे, लेकिन अधिक काम होने के कारण अपनी बहन से मिलने नहीं जा पाते थे। एक दिन यम अपनी बहन की नाराजगी को दूर करने के लिए मिलने चले गए। यमुना अपने भाई को देख खुश हो गई। भाई के लिए खना बनाया और आदर सत्कार किया। बहन का प्यार देखकर यमराज इतने खुश हुए कि उन्होंने यमुना को खूब सारे उपहार दिए। यम जब बहन से मिलने के बाद विदा लेने लगे तो बहन यमुना से कोई भी अपनी इच्छा का वरदान मांगने को कहा। यमुना ने उनके इस आग्रह को सुन कहा कि अगर आप मुझे वर देना ही चाहते है तो आज के दिन हर साल आप मेरे यहां आए और मेरा आतिथ्य स्वीकार करें। तब से लेकर हर वर्ष भैया दूज का पर्व धूमधाम से मनाया जाता है। भैया दूज के पावन पर्व पर बहनों ने अपने भाइयों को मंगल तिलक कर उनकी आरती उतारते हुए लंबी आयु की कामना की। इसके बाद गोला व मिठाई देकर भाई का आदर सत्कार किया। वहीं भाईयों ने भी अपनी बहनों को खुश करने के लिए महंगे-महंगे उपहार भेंट स्वरूप दिए और बहन की हर परिस्थिति में रक्षा करने का वचन दिया।

**बाजार की गिफ्ट दुकानों में रही भारी भीड़**-भाईदूज के पर्व को देखते हुए गिफ्ट दुकानों में भारी भीड़ देखने को मिली। बहनें अपने छोटे भाइयों को देने के लिए उपहार खरीद रही थीं तो भाई भी अपनी बहनों को उपहार देने के लिए महंगे-महंगे गिफ्ट खरीद रहे थे। चॉकलेट की दुकानों पर युवाओं की भीड़ देखते ही बन रही थी। बहनों को उपहार के रूप में चाकलेट लेने वालों की होड़ लगी रही।

**बसों व ट्रेनों में रही भारी भीड़**-भैया दूज के पावन पर्व की महत्ता को देखते हुए बसों व ट्रेनों में यात्रियों की भारी भीड़ देखने को मिली। बहने जहां अपने भाइयों के घर जाने के लिए घर से निकली, वहीं भाई भी अपनी बहनों तक पहुंचने के लिए सुबह से बस स्टैंड व रेलवे स्टेशन पर खड़े रहे। आम दिनों की अपेक्षा बसों में दोगुनी भीड़ देखने को मिली। वहीं ट्रेनों में भी यात्रियों की भीड़ देखने को मिली।

**बाजार में दिखी रौनक**-भाई दूज पर बाजारों में खासी भीड़ देखी गई। विशेषकर मिठाइयों की दुकानों पर लोगों की अधिक भीड़ थी। मिठाइयों की जमकर खरीदारी हुई। दीपावली के बाद एक बार फिर से दुकानों के बाहर तरह-तरह की मिठाइयां सजी दिखाई दी और उनके खरीदारों का तांता लगा हुआ था। भाई दूज के पर्व को लेकर वाहनों में भी खासी भीड़ थी। विवाहित बहनों की ओर से भैया दूज का पर्व मनाने के लिए भाइयों के घर जाने का सुबह से ही शुरू हो गया था। सडकों पर खासी भीड़ देखी गई।

**जमकर बिका नारियल का गोला**-भाई दूज के त्यौहार को देखते हुए बाजार में गोले की मांग रविवार को आम दिनों की अपेक्षा कई गुना रही। बाजार में गोलों के लिए महिलाएं दुकानों पर पहुंचती रही। गोले की बिक्री को लेकर दुकानदारों ने इसे पिछले काफी दिनों से भाई दूज के लिए स्टोर कर रखा था।

**जूनियर इंजीनियर पर हमला करने का मामला**

# कुआतला प्रधान पर कार्यवाही का इंतजार सरकारी नहर किनारे से मिट्टी के अवैध खनन व परिवहन का है आरोप

अनुज सिंह ठाकुर ब्यूरो रिपोर्ट पुष्पांजलि टुडे ललितपुर

ललितपुर। सत्ताईस अक्टूबर को सिंचाई निर्माण खण्ड प्रथम में तैनात जूनियर इंजीनियर ने कुआतला ग्राम प्रधान पर सरकारी नहर के बैक किनारे से मिट्टी का अवैध खनन व परिवहन किये जाने का आरोप लगाते हुये सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने और रास्ते में रोककर मारपीट करने जैसे गंभीर आरोप लगाये थे। पुलिस ने जूनियर इंजीनियर रमाकान्त वर्मा की तहरीर पर ग्राम प्रधान कुआतला विजय राजपूत व पांच अज्ञात लोगों के खिलाफ बीएनएस की धारा 191 (2), 132, 352, 121 (1), 308 (6) व 351 (3) के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी थी। अब कुआतला प्रधान के खिलाफ गिरफ्तारी की कार्यवाही कब तक होती है यह एक यक्ष प्रश्न बनकर सभी के

समक्ष खड़ा हुआ है। वहीं सूत्र तो यह बताते हैं कि पुलिस अंदरखाने से ग्राम प्रधान के कारनामों की जांच कर ठोस कार्यवाही करने के मूड में है।जूनियर इंजीनियर रमाकान्त वर्मा ने पुलिस को तहरीर देकर बताया था कि कुआतला ग्राम प्रधान विजय राजपूत सरकारी नहर के पास से मिट्टी का अवैध खनन व डम्परों से परिवहन कर रहे थे। सूचना मिलने पर वह अपने आलाधिकारियों के निर्देश पर मौका मुआयना करने गये हुये थे। बताया कि मौके पर चल रहे मिट्टी के अवैध खनन व परिवहन को रोकने की बात कहने पर ग्राम प्रधान आग बबूला हो गये। यह भी आरोप लगाया कि वह निरीक्षण कर अपने साथी जूनियर इंजीनियर के साथ मुख्यालय लौट रहे थे। वह राजघाट रोड स्थित शुभ हैविन रिसोर्ट के पास पहुंचे ही थे कि तभी ग्राम प्रधान ने अपने पांच अज्ञात साथियों के साथ उसे रोकते हुये गालियां दी और विरोध करने पर मारपीट कर दी, जिससे उन्हें चोटें आयीं।गौरतलब है कि ग्राम प्रधान कुआतला विजय राजपूत के खिलाफ चर्चित हुयीं समाचार पत्रों की खबरों का संज्ञान लेकर जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी के निर्देश पर मुख्य विकास अधिकारी के.के.पाण्डेय ने ग्राम पंचायत कुआतला में हुये विकास कार्यों की समीक्षा के लिए तीन सदस्यीय टीम का गठन किया है। इस टीम में शामिल जिला पंचायत राज अधिकारी, अर्थ एवं संख्याधिकारी व सहायक अभियंता पीडब्ल्युडी मनरेगा एवं पंचायत निधि से प्रधान द्वारा गांव में कराये गये विकास कार्यों की समीक्षा करेंगे, जिसमें स्थलीय निरीक्षण व विकास कार्यों की गुणवत्ता की जांच की जायेगी।

# कस्बे में निकाली गई रावण की दुहाई आज से शुरू होगा भव्य रामलीला का मंचन महाकाल डमरू ग्रुप रहा आकर्षण का केन्द्र

ललितपुर। विगत सायं कस्बा बानपुर में श्रीश्री 1008 श्री बजरंगगढ़ रामलीला मण्डल द्वारा बानपुर उप स्वास्थ केन्द्र से किले मैदान रामलीला मंचन तक रावण की दुहाई निकाली गयी। जिसमें लाउडस्पीकरों पर रावण द्वारा अपनी कह? एवं गरजती आवाज से अपनी निभुवन में फहराई हुयी। विजय पताका का उद्घोष कर रहा था व पीछे उसके सभासद जय जयकार करते हुए चल रहे थे। पीछे मेघनाद और अक्षय कुमार बग्घियों में विराजमान थे। वहीं कस्बे का महाकाल डमरू रूप अपने शरीर की भाव भंगिमाओं व वाद्ययंत्रों द्वारा अपनी अलग ही छटा बिखेर रहा था। यह यात्रा कस्बे के मुख्य मार्ग से होकर किले का मैदान श्री रामलीला मंच पहुंचकर समाप्त हो गयी। जहां पर आज से श्रीश्री 1008 श्री बजरंगगढ़

रामलीला मण्डल के स्थानीय कलाकारों द्वारा रामलीला का सुंदर मंचन किया जायेगा। आयोजन को सफल बनाने में बृजेश चतुर्वेदी, रमाशंकर वाजपेयी, रामअवतार सिंह परमार, मण्डल अध्यक्ष राजेन्द्र यादव, कृष्ण अवतार सिंह परमार नन्हे राजा, सतेन्द्र रावत, लखन झां, रामेश्वर साहू, रामगोपाल कुशवाहा, ऋंश चौरसिया, ओम प्रकाश कुशवाह,आदित्य सिंह परमार, जीत राजा गहरवार, राजू राय, ध्रुव, अवतार सिंह परमार, मुलायम राय, जगदीश भट्ट, रितेन्द्र सिसौदिया, श्रीराम साहू, मोहन विश्वकर्मा, राजा परमार, भगवत वाजपेयी, महखान सिंह यादव, सुजान सिंह यादव, फूलचन्द यादव एवं समस्त रामलीला मण्डल, ग्रामवासियों सहित पुलिस प्रशासन का सहयोग सराहनीय रहा।

# वरदानी भवन में हर्षोल्लास से मनाया गया गोबर्द्धन पूजन व अन्नकूट महोत्सव

अनुज सिंह ठाकुर ब्यूरो रिपोर्ट
पुष्पांजलि टुडे ललितपुर

ललितपुर। प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय वरदानी भवन में गोवर्धन पूजा एवं अन्नकूट का कार्यक्रम रखा गया। जिसमें शहर से लगभग 300 से भी अधिक ब्रह्माकुमारीज के भाई-बहनों ने कार्यक्रम में अपनी भागीदारी जताई। ब्रह्माभोजन अन्नकूट का भोग प्यार से स्वीकार किया। वरदानी भवन सेवा केन्द्र एवं पूरे जिले में ब्रह्माकुमारी का संचालन कर रही। राजयोगिनी बीके चित्ररेखा दीदी ने अन्नकूट और गोवर्धन पूजन का महत्व समझाया कि हमें अपने शुद्ध, पवित्र, संकल्पों द्वारा पवित्रता के वायब्रेशन फैलाकर इस प्रकृति और सभी प्राणी मात्र की सेवा करनी है। ताकि यह प्रकृति शुद्ध होकर दैवी दुनिया में दैवी मानवता पूर्ण सृष्टि में सभी की सेवा करेगी एवं मानव को संपूर्ण निरोगिता और धन-धान्य से संपूर्णता प्रदान करने की सेवा करती रहेगी। इसी का यादगार यह पर्व हम सभी संपूर्णता, संपन्नता, नवीनता और समृद्धि का प्रकाश का पर्व दीपमाला मनाते है। जो धनतेरस से लेकर भाईदूज तक मनाया जाता है। आज के दिन भाई-दूज का भी महत्व समझाते हुए कार्यक्रम का संचालन कर रही राजयोगिनी बीके मायारानी दीदी जी ने कहा

कि जो भाई-बहन अपनी दृष्टि, वृत्ति से संपूर्ण पवित्रता को अपनाते हैं। शुद्ध भोजन करते हैं। और पवित्र सृष्टि स्थापना में परमपिता परमात्मा शिव को यह एक जन्म संगमयुग की बेला में मदद करते हैं। उन्हें एक बहुत सुंदर कथा है। जिसमें जमुना बहन ने यमराज भाई से वरदान मांगा की भाईदूज को आप किसी भी बहन को अपने भाई से जुदा नहीं करेंगे तो भाई यमराज ने यह वरदान देते हुए कहा कि जो ईश्वरीय शिक्षा का पालन करेंगे। उन्हें यह वरदान रहेगा। तो प्यारे भाई-बहनों दो युग सतयुग और त्रेतायुग सृष्टि के स्वर्णिम काल में यह वरदान फलीभूत रहता है। वहां पर कभी भी असमय, अकाले मृत्यु नहीं होती है। तो हम सभी मानव आत्माओं को यह दीपमाला पर्व के आध्यात्मिक रहस्यों को जानते हुए पर्व मनाना चाहिए। सेंटर पर समर्पित भाई विद्यासागर जी ने सभी आए हुए मेहमानों का आभार व्यक्त किया और बार-बार आने का आग्रह भी किया। इस कार्यक्रम में बहुत से भाई-बहनों ने भाग लिया जिसमें बीके गीता, बीके प्रीति, बीके रूबी, बीके प्रियंका, बीके निशा, बीके पूजा, बीके शिवानी, याशिका बहन, इं.हकीम सिंह भाईजी, महेश भाई, रविशंकर भाई, ओमप्रकाश गुप्ता, बाबा काशीराम साहू, चंद्रशेखर राठौर, अशोक राठौर, भूपेंद्र राठौर, एड.रामस्वरूप साहू, जाली भाई, केशव प्रसाद पांडे, अनिल साहू, एड.सत्यनारायण साहू, कुंजबिहारी उपाध्याय, लक्ष्मीनारायण भाई, डा.अरुण भाई, गणेश साहू, सुशील भाई, नारायण भाई, मयंक लेखपाल, अमन जोशी, मनोज जोशी, मनीष दुबे, रोहित श्रीवास्तव, हरिशंकर साहू, रामप्रसाद भाई, चंद्रशेखर भाई, विनोद यादव, विनोद झा, गोपाल साहू, एड.कैलाश नारायण, कैलाश दुबे, राहुल जैन पत्रकार, खुशीलाल भाई, दातार भाई, संजय नामदेव, भगवान दास भाई, वीरेंद्र भाई, गोकुल भाई एवं अन्य भाई-बहन उपस्थित रहे।

**निवेशकों की जागने लगी उम्मीदें, वापस मिलेगी जमापूंजी**

# सफेदपोशों की भूमिका भी संदेह के घेरे में जल्द बड़ी कार्यवाही होने की सूत्रों से मिली जानकारी

अनुज सिंह ठाकुर ब्यूरो रिपोर्ट पुष्पांजलि टुडे ललितपुर

ललितपुर। हजारों करोड़ रुपये हड़पने वाली चिटफण्ड कम्पनी एलयूसीसी के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने विगत दिनों जांच शुरू कर दी है। ईडी जांच के लिए जल्द ललितपुर भी आ सकती है, जिसके संकेत भी सूत्रों से मिल रहे हैं। वहीं दूसरी ओर ईडी ने मनी लॉड्रिंग एक्ट के तहत मामला दर्ज करते हुये पूरे प्रकरण की परत दर परत खंगालने के लिए जांच का दायरा बढ़ाना भी शुरू कर दिया है। सूत्रों की मानें तो ललितपुर के कई सफेदपोशों की भूमिका संदेह के घेरे में है। वहीं पड़ौसी राज्यों में भी इसी चिटफण्ड कम्पनी द्वारा हजारों निवेशकों के करोड़ों रुपये हड़पे जाने की भी खबर है। इतना ही नहीं सूत्र तो यहां तक बताते हैं कि चिटफण्ड कम्पनी एलयूसीसी से जुड़े व्यक्तियों की सम्पत्ति की जांच भी शुरू हुयी है, जिसमें जमीनों के खरीद-फरोख्त के दस्तावेजों को खंगालने का भी अहम कार्य ईडी द्वारा किया जा सकता है।

रकम को दोगुना करने का प्रलोभन देकर निवेशकों के करीब तीन सौ करोड़ रुपये डकारने वाली चिटफण्ड कम्पनी एलयूसीसी की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बीते अक्टूबर माह के आखिरी सप्ताह में जांच-पड़ताल शुरू कर दी है। ललितपुर पुलिस द्वारा एलयूसीसी के मुख्य सरगना और एजेण्टों पर दर्ज किये मुकद्दमों के आधार पर ईडी ने मनी लॉड्रिंग का भी प्रकरण दर्ज किया है। घोटाले में ललितपुर पुलिस कम्पनी के मुख्य अभियुक्तों में शामिल मुहल्ला रामनगर व हाल भोपाल निवासी रविशंकर तिवारी पुत्र तिलकराम तिवारी, उसके भाई राहुल तिवारी, आलोक जैन समेत आधा दर्जन से अधिक एजेण्टों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। हालांकि चिटफण्ड कम्पनी एलयूसीसी का संचालक महाराष्ट्र के मुम्बई निवासी समीर अग्रवाल पुत्र स्व.राजेन्द्र अग्रवाल को बताया जा रहा है, जो कि काफी समय पहले दुबई फरार हो चुका है। ललितपुर पुलिस ने समीर अग्रवाल पर पहले 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था, जिसे अब डीआईजी झांसी परिक्षेत्र कलानिधि नैथानी के आदेश पर एसपी ललितपुर मो.मुश्ताक ने बढ़ाकर 50 हजार रुपये कर दिया गया है। सूत्र बतातें है कि चिटफण्ड कम्पनी एलयूसीसी में ललितपुर के कई सफेदपोशों की भूमिका भी संदेह के घेरे में हैं। वहीं बात करें पड़ौसी राज्य मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल, जनपद सागर, टीकमगढ़, इन्दौर के अलावा कई राज्यों व महानगरों तक इस कम्पनी के तार फैले हुये हैं। सूत्र तो यहां तक बताते हैं कि ललितपुर जिले में चिटफण्ड कम्पनी एलयूसीसी के मुख्य आरोपियों से जुड़े लोगों ने जमीनें, मंहगी गाडि?ां और बंगले इत्यादि की खरीद-फरोख्त व्यापक स्तर पर की गयी है।

# व्यापारी नेता ने कोतवाली पुलिस से मामले की जांच कर कार्यवाही की मांग की है।

अनुज सिंह ठाकुर ब्यूरो रिपोर्ट पुष्पांजलि टुडे ललितपुर

ललितपुर। मोहल्ला सुभाषपुरा निवासी सुमित अग्रवाल पुत्र स्व. प्रहलाद बाबू अग्रवाल ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर बताया कि बीती 2 नवम्बर कि रात करीब 8.30 बजे वह सुम्मेरा तालाब बीच का बंध स्थित श्री शनि मंदिर से दर्शन करके अपनी मोटरसाईकिल से लौट रहा था। वह मंदिर से निकलकर करीब 20 मीटर निकला ही था कि पहले से घात लगाए बैठे कुछ लोगों ने उसकी मोटरसाईकिल में टक्कर मार दी जिससे वह गिर पड़ा। बताया कि इससे पहले वह कुछ समझ पाता कि उड्रत लोगों ने उस पर लाठी -डंडो से जानलेवा हमला कर दिया द्य इस हमले में उसे हाथ में चोट लगी। व्यापारी ने बताया कि उसने जान बचाने के लिए मुख्य सड़क की ओर दौड़ लगा ली। आरोप है कि हमलावर गालियां देते हुए उसके पीछे भागे और जान से मारने की धमकी दे रहे थे। व्यापारी नेता ने कोतवाली पुलिस से मामले की जांच कर कार्यवाही की मांग की है।

# पलक तिवारी

## संग डेटिंग की खबरों के बीच इब्राहिम ने रवीना टंडन की बेटी को लगाया गले, फैन्स बोले: जोड़ी अच्छी है

बॉलीवुड और दिवाली पार्टी का कनेक्शन बहुत पुराना है. त्योहार शुरू होने से पहले ही पार्टी शुरू हो जाती है, जो दिवाली तक चलती रहती हैं. इस वक्त बॉलीवुड सितारों से ज्यादा उनके बच्चे इन सेलिब्रेशंस को लेकर लाइमलाइट में रहते हैं. हाल ही में सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान दिवाली पार्टी में दिखाई दिए. पार्टी खत्म होने के बाद वो रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी को गाड़ी तक छोड़ने आते हैं, जहां गले लगाकर उन्हें बाय कहते दिख रहे हैं. इसी बीच एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है.दरअसल लंबे वक्त से इब्राहिम अली खान का टीवी एक्ट्रेस श्वेता तिवारी की बेटी पलक से नाम जुड़ रहा है. दोनों अक्सर साथ में स्पॉट किए जा चुके हैं और कैमरा देखते ही छिपने लगते हैं. हालांकि, नया वीडियो वायरल होने के बाद फैन्स इब्राहिम और राशा की जोड़ी को बेस्ट बता रहे हैं.

**इब्राहिम ने राशा को लगाया गले, फैन्स ने बना दी जोड़ी**

इधर किसी एक्टर का वीडियो वायरल नहीं होता, दूसरी ओर फैन्स जोड़ी बना देते हैं. यूं तो इब्राहिम और पलक की तरफ से रूमर्ड रिलेशनशिप पर कभी कोई रिएक्शन नहीं दिया गया. लेकिन पलक तिवारी कई बार इब्राहिम की जैकेट पहने या फिर एक ही गाड़ी में फिल्में देखने पहुंचते रहते हैं. यह सिलसिला लंबे वक्त से चल रहा है. खैर, राशा थडानी के साथ उनका जो वीडियो वायरल हो रहा है, उसमें वो पैपराजी को बार-बार बोलती दिख रही हैं कि प्लीज मत लीजिए अब फोटो.

दोनों के वीडियोज पर भर-भरकर रिएक्शन भी सामने आ रहे हैं. एक यूजर लिखता है कि- यह दोनों साथ में अच्छे लग रहे हैं. वहीं दूसरा यूजर सवाल करता है- तो फिर पलक तिवारी को लेकर क्या ख्याल है ? हालांकि, दोनों सिर्फ अच्छे दोस्त भी हो सकते हैं, लेकिन फैन्स इनकी जोड़ी बना रहे हैं. उधर, पलक तिवारी इस पार्टी में नहीं दिखी थीं.अमृता सिंह और सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान 'दिलेर' से बॉलीवुड डेब्यू करने वाले हैं. वहीं पलक तिवारी पहले ही सलमान खान की फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' से एक्टिंग में कदम रख चुकी हैं. बात राशा थडानी की करें तो वो 19 साल की हैं. वहीं जल्द वो अजय देवगन के भांजे के साथ फिल्म करने जा रही हैं. खूबसूरती के मामले में अक्सर सुर्खियां बटोरती रहती हैं.

## पहले से ज्यादा डरावनी है कार्तिक आर्यन की भूल भुलैया 3, माधुरी दीक्षित हैं छोटा पैकेट बड़ा धमाका

17 साल पहले भूल भुलैया ने बॉलीवुड में हॉरर-कॉमेडी का ट्रेंड फिर एक बार शुरू कर दिया था. वैसे तो ये अक्षय कुमार की फिल्म थी, लेकिन विद्या बालन के किरदार मंजुलिका ने सभी का दिल जीत लिया था. फिर 15 साल बाद भूल भुलैया 2 आई, लेकिन भूल भुलैया से ओजी (ओरिजिनल) मंजुलिका ही गायब हो गई थी. कार्तिक की इस फिल्म ने लोगों का खूब मनोरंजन किया, लेकिन कहीं न कहीं हमारी नजरें विद्या बालन वाली मंजुलिका देखने के लिए तरस रही थीं और मानों टी-सीरीज के भूषण कुमार ने हमारे दिल की बात सुन ली और वो विद्या बालन के साथ माधुरी दीक्षित को भी लेकर आ गए.यही वजह है कि सुबह 7 बजे का पहला शो ढूंढकर मैंने ये फिल्म फर्स्ट डे फर्स्ट शो देख डाली. भूल भुलैया और भूल भुलैया 2 से भूल भुलैया 3 ज्यादा डरावनी है, माधुरी दीक्षित की एंट्री के बाद फिल्म और मजेदार हो जाती है. आखिर तक ये फिल्म दर्शकों बांधे रखती है. चलिए अब इस फिल्म के बारे में विस्तार से बात करते हैं.

**कहानी**

रोहन रंधावा को एक करोड़ रुपये का लालच देकर मीरा उसे अपने गांव लेकर आती हैं. गांव आकर रोहन को पता चलता है कि खुद को राजकुमारी कहने वाली मीरा असल में उसे एक करोड़ रुपये तो क्या 10 हजार रुपये भी नहीं दे सकती और इसे यहां एक मकसद से लाया गया है. ये मकसद है मंजुलिका को खत्म करना क्योंकि अब तक मंजुलिका को भैरव कवच से रोका गया है. लेकिन उसे अब मारना है. अब सवाल ये है कि असली मंजुलिका है कौन ? विद्या बालन, माधुरी दीक्षित या फिर कोई और ? अब ये जानने के लिए आपको थिएटर जाकर कार्तिक आर्यन की फिल्म भूल भुलैया 3 देखनी होगी.

**कैसी है ये फिल्म ?**

भूल भुलैया की खास बात है ये कि इस फिल्म के आखिर में हमें भूत से नफरत नहीं बल्कि प्यार हो जाता है. हम उसकी भावनाओं से भी कनेक्ट कर पाते हैं. भले ही पूरी फिल्म में मंजुलिका हमें खूब डराती है, लेकिन हम उसे विलन नहीं कह सकते. भूल भुलैया 3 की मंजुलिका की कहानी भी एक स्ट्रॉन्ग मैसेज के साथ हाई नोट पर खत्म हो जाती है. यानी मनोरंजन के साथ अनीस बज्मी ने इस फ़िल्म में फिर एक बार एक अहम मुद्दे को हाईलाइट किया है.

## टाइम गॉड बनते ही विवियन डीसेना के सामने बड़ी चुनौती, जेल के लिए किसका लेंगे नाम?

बिग बॉस 18 मजेदार पड़ाव पर चल रहा है. सलमान खान के शो में कुछ ग्रुप्स तो बन ही चुके हैं, जो दर्शकों को साफ-साफ नजर आ रहे हैं. कुछ लोग दोस्ती की चलते शो में आगे बढ़ने की कोशिश करते हुए नजर आ रहे हैं. वहीं करण वीर मेहरा और विवियन डीसेना की दोस्ती में भी फूट पड़ चुकी है. बिग बॉस के दिए गए टास्क के बाद दोनों की दोस्ती में दरार आनी तो तय मानी जा रही है. हालांकि घरवालों ने विवियन डीसेना को नया टाइम गॉड चुना है.बिग बॉस के मेकर्स ने एक नया प्रोमो शेयर किया है, जिसमें विवियन डीसेना को बतौर टाइम गॉड होने के नाते जेल में डालने के लिए दो नाम पूछे जाते हैं. बिग बॉस का आदेश सुनते ही वो सभी से एक-एक करके पूछते हैं कि किसका नाम लेना चाहिए. ऐसे में पहले रजत दलाल कहते हैं कि अंदर एक शख्स ऐसा होना चाहिए, जो कोई भी कंडीशन में खाना निकालना जानता हो. ईशा अपनी राय देते हुए रजत और चाहत का नाम लेती हैं.

**घरवालों ने लिए किस-किस के नाम ?**

शिल्पा इस दौरान करण और रजत का नाम लेती हैं. वहीं करण वीर मेहरा ने चाहत का नाम लिया. रजत अपनी सफाई पेश करते हुए कहते हैं कि जेल से उनका पास्ट जुड़ा है, इसलिए वो इसे एक सजा के तौर पर देखते हैं. ऐसे में वो जेल जाने से साफ इनकार कर देते हैं. श्रुतिका भी रजत दलाल का नाम लेती हैं और वजह बताते हुए कहती हैं कि वो बहुत बोरिंग हैं. इसपर विवियन उनसे उनके नाम पर बात करते हैं, तो श्रुतिका खुद का बचाव करती हैं.हालांकि एक नए प्रोमो में विवियन डीसेना श्रुतिका को उसका काम समझाते हुए नजर आते हैं. श्रुतिका की सफाई के बाद भी विवियन उन्हें घर की रसोई में धूल और गंदगी दिखाते हैं. काम को लेकर विवियन डीसेना और श्रुतिका के बीच काफी कहा सुनी हो जाती है.

# सलमान खान

## का परिवार चट्टान है... सोहेल खान की एक्स वाइफ ने की खान परिवार की तारीफ

सलमान खान और उनकी फैमिली हमेशा से ही दूसरों की मुश्किलों में खड़े नजर आती हैं, इस बात का जिक्र अक्सर ही बॉलीवुड इंडस्ट्री के लोग करते रहते हैं. हाल ही में इस बारे में खान परिवार की एक्स बहु और सोहेल खान की एक्स पत्नी सीमा सजदेह ने भी बात की. इस दौरान उन्होंने कुछ वक्त पहले हुए एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा के पिता की डेथ को याद किया. सीमा ने इस मुश्किल की घड़ी में खान परिवार के मलाइका के साथ रहने की सराहना की है.ुछ वक्त पहले मलाइका अरोड़ा के पिता अनिल मेहता ने अपनी बिल्डिंग से कूद कर जान दे दी. जिसके बाद एक्ट्रेस के घर पर स्टार्स इकट्ठा हो गए. इनमें खान परिवार के सदस्य भी शामिल थे. इस बात का जिक्र करते हुए सीमा ने खान परिवार के बारे में बात करते हुए कहा, वे चट्टान जैसे हैं, जब भी कोई परेशानी हो या आपको कोई जरूरत हो तो वो सभी आपके साथ खड़े रहते हैं. ये क्वालिटी ही उन सभी को परिवार के तौर पर स्पेशल बनाती है.

**सबसे पहले पहुंचे थे अरबाज**

मलाइका के घर उनकी मुश्किल के वक्त में सीमा भी मौजूद थीं. बता दें कि इस मौके पर एक्ट्रेस के घर सबसे पहले उनके एक्स हसबैंड अरबाज खान पहुंचे थे, जिसके लिए लोगों ने उनकी खूब तारीफ की थी. खान परिवार में से अरबाज खान के अलावा उनकी पत्नी शूरा खान, सोहेल खान, सलीम खान, सलमा खान, हेलेन, अर्पिता खान, अलवीरा अग्निहोत्री मौजूद थे. सलमान खान भी इस मौके पर पीछे नहीं हटे थे.

**दोनों कपल ने ले लिया तलाक**

मलाइका अरोड़ा और अरबाज खान ने साल 1997 में शादी के बंधन में बंधे थे, लेकिन 2017 में दोनों ने तलाक ले लिया, दोनों का एक बेटा अरहान है. इन

## श्रृंगार आपके व्यक्तित्व में लगाए

# चार चांद

**शादियों का मौसम शुरू हो गया है। ऐसे में सजने-संवरने की आकांक्षा को पंख लग ही जाते हैं। कुछ बातों का ध्यान रख कर आप ऐसे मौसम में अपनी खूबसूरती को और निखार सकती हैं। पारंपरिक श्रृंगार आपके रूप-रंग में चार-चांद लगा देते हैं। यदि आप भी पारंपरिक रंग में अपने आप को रंगने की सोच रही हैं तो ऐसे मौके पर लहंगा, साड़ी या सूट को अपने लिए चुन सकती हैं।**

परफेक्ट शुरुआत के लिए सबसे पहले फेस प्राइमर लगाएं। इसे लगाने से चेहरे की छोटी-छोटी खामियां जैसे फाइन लाइन्स, ओपन पोर्स और पिट्स भर जाएंगे और मेकअप भी लंबे समय तक टिका रहेगा। सर्दियों के इस मौसम में बेस ऐसा हो, जो आपकी त्वचा को फ्लॉलेस लुक देने के साथ-साथ उसे मॉइश्चराइज भी करें। ऐसे में फाउंडेशन के तौर पर टिंटिड मॉइश्चराइजर लगाएं। इससे त्वचा मुलायम हो जाएगी और ग्लोइंग नजर आएगी। त्वचा पर यदि कोई एक्ने या स्कॉर्स है तो उसे कंसीलर की मदद से कंसील कर लें।

अपनी त्वचा टोन से मैच करता ब्लशऑन लगाएं। जैसे गोरे मुखड़े पर पिंक कलर का ब्लशऑन इस्तेमाल करें और यदि सांवली हैं तो आप पर पीच शेड का ब्लशर बहुत अच्छा लगेगा। नाक के दोनों साइड, चीक्स बोंस और डबल चिन को छुपाने के लिए डार्क ब्राउन शेड के ब्लशऑन से कॉन्टोरिंग कर लें। इससे आपका फेस पतला नजर आएगा। चीक्स बोन्स पर हाइलाइटर जरूर इस्तेमाल करें।

इन दिनों ऑरेंज, रेड और वाइन शेड काफी चलन में हैं। अपनी आंखों को इन शेड्स से सजाएं और आईब्रोज के नीचे वनीला शेड से हाइलाइट करें। ये इस मौसम में और भी खूबसूरत लगेंगे। इसलिए आई-मेकअप करते वक्त इन्हें जरूर शामिल करें। अपनी आंखों को ब्लैक जैल आइलाइनर से खूबसूरत शेप दें और आंखों में काजल जरूर लगाएं।

इस मौके पर आंखों के आउटर या इनर कॉर्नर पर स्वरोस्की का इस्तेमाल करने से आई-मेकअप और भी खूबसूरती से उभर कर आएगा। पलकों पर मसकारा का डबल कोट लगाकर उन्हें लंबा व खूबसूरत दिखाएं।

### लिप्स का पूरा ध्यान रखें

आंखों पर डार्क मेकअप करने के बाद लिप्स पर ब्रॉन्ज या रस्ट शेड की लिपस्टिक लगाएं। इसके बाद लिप सीलर से लिप्स को सील कर दें। इसे लगाने से लिपस्टिक देर तक टिकी रहेगी और लिप्स शाइन भी करेंगे। अपने श्रृंगार में पूरी तरह ट्रेडिशनल लुक लाने के लिए बिंदी भी लगा सकती हैं। ब्रेड्स इन दिनों काफी चलन में हैं। बालों में फिशटेल, फ्रेंच चोटी या साइड चोटी बनाएं और चोटी को स्वरोस्की जडिम्त हेयर एक्सेसरीज से सजाएं। बालों में कलर्स करवाकर उसे खुले छोड़ सकती हैं। फ्रंट से हाई पफ बनाकर एक साइड से टक कर लें और दूसरे साइड पर कलर्स रख लें। टक करने के लिए हेयर एक्सेसरीज का इस्तेमाल करें।

# सफर में भी खूबसूरत!

**समंदर का खारा पानी, रेगिस्तान की बालू, ट्रैकिंग की थकावट और बर्फीली हवाएं। इस बार छुट्टियां जहां भी प्लान कर रही हों, कीजिए और त्वचा की चिंता भूल जाइए। क्योंकि कुछ आसान सी बातों को ध्यान में रखकर आप अपनी खूबसूरती बरकरार रख सकती है**

त्योहारों की छुट्टियां भले ही अभी हाल ही में खत्म हुई हों, पर आने वाले दिनों में छुट्टी का प्लान पक्का है। आपने अभी से ही प्लानिंग भी शुरू कर दी होगी। क्या आपने सोचा है कि छुट्टियों में आपकी त्वचा का ध्यान कौन रखेगा? जब छुट्टियों में कहीं बाहर जाएं तो इन बातों को ध्यान में रखें, ताकि सफर में भी आपकी त्वचा मुस्कुराती रहे-

### पानी से निखरेगी त्वचा

लम्बी दूरी की ट्रिप पर हों या फिर एक-दो दिन की छोटी ट्रिप पर, कभी ज्यादा धूप तो कभी मौसम के बदलने का असर सीधा त्वचा पर होता है। इसलिए जरूरी है कि सफर के दौरान आप खूब सारा पानी पिएं। त्वचा को नमी पहुंचाने के लिए पानी से बेहतर कुछ और नहीं। ओरीफ्लेम इंडिया की ब्यूटी एंड मेकअप एक्सपर्ट आकृति कोचर कहती हैं, 'ट्रैवलिंग के दौरान ताजे फल और सब्जियां भी बेहतरीन ब्यूटी ट्रीटमेंट साबित हो सकते हैं।'

### मॉइस्चराइजर, सन ब्लॉक रखेंगे खयाल

अपने हैंडबैग में एक मॉइस्चराइजर और सन ब्लॉक हमेशा रखें। यह आपकी त्वचा का ध्यान रखेंगे और आप अपने सफर का मजा ले पाएंगी। समय-समय पर इन्हें त्वचा पर जरूर लगाएं।

### सेनीटाइजर भी रखिए याद

यह कहना सही होगा एक एंटी बैक्टीरियल सैनीटाइजर आपके लिए सबसे जरूरी चीज होनी चाहिए। चाहे आप ट्रैकिंग कर रही हों या फिर हवाई यात्रा कर रही हों, हाथ गंदे तो हो ही जाते हैं। ऐसे में समय-समय पर हैंड सैनीटाइजर का इस्तेमाल करना बहुत जरूरी है। हाथ साफ होंगे तो बहुत सारी चीजों पर अच्छा असर पड़ेगा। हाथों की गंदगी आपके चेहरे पर नहीं लगेगी और आप बाहर से ही नहीं, अंदर से भी स्वच्छ रहेंगी।

### हर 6 घंटे हो फेस वॉश

जब त्वचा में एक्सट्रा ऑयल इकट्ठा हो जाते हैं तो यह मुहांसों और दाग-धब्बों का कारण बनता है। इसलिए कहीं भी ट्रैवल करें, तो हर छह घंटे पर चेहरा धोना न भूलें। ज्यादा लम्बी दूरी पर जा रही हैं तो एक एंटी बैक्टीरियल फेस वॉश आपके लिए बेहद जरूरी है।

### ऑयली स्किन है तो

ऐसे में फेस वॉश और सेनीटाइजर के साथ आपके पास टोनर भी होना जरूरी हो जाता है। आकृति कहती हैं कि टोनर या एस्ट्रीजेंट को साथ रख कर त्वचा को हेल्दी और साफ रखा जा सकता है। ब्लॉटिंग पेपर को भी एक्स्ट्रा ऑयल निकालने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। त्वचा पर तेल इकट्ठा नहीं होगा तो मुहांसे और दानों से भी आपकी त्वचा सुरक्षित रहेगी।

### मेकअप टिप्स भी रखिए याद

ट्रैवलिंग के दौरान मेकअप कम से कम होना चाहिए। सबसे पहले तो त्वचा के मुताबिक मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल करें। फिर कॉम्पेक्ट या पाउडर फाउंडेशन इस्तेमाल करें। पर, याद रखें कि यह मैट फिनिश वाले हों। त्वचा को हेल्दी ग्लो देने के लिए मैट फिनिश वाले साफ्ट पिंक या कोरल ब्लश का इस्तेमाल करें।

# हॉट पार्टी

**न्यू ईयर ईव के लिए आप वॉयलैट, ब्लैक, मैरून, पर्पल, क्रिमसन रैड कलर की कॉकटेल ड्रैस ट्राई कर सकती हैं। यदि आप साड़ी वियर कर रही हैं, तो लाइट शेड व बार्डर वाली प्लेन साड़ी पहनें, इससे आपको सॉफिस्टिकेटेड लुक मिलेगी और साथ ही आपफी होकर पार्टी एंज्वॉय कर सकेंगी। अगर आपको सर्दी का डर सता रहा है तो ट्राऊजर्स के साथ लांग स्टाइलिश कोट और मफलर पहन सकती हैं। इनके साथ बूट पहनना न भूलें। स्कर्ट के साथ फर जैकेट पहनें और साथ ही ट्राई करें कैप या हैट। लॉन्ग बूट्स स्कर्ट्स के साथ बहुत बढ़िया दिखते हैं।**

कूल सीजन में खुद को हॉट बनाए रखने के लिए अपना फैशन स्टेटमैंट भी खूबसूरती के साथ ट्राई करें। पर्सनैलिटी से सूट करती ड्रैस व मेकअप करें तो पार्टी में आम से खास दिख सकती हैं। अगर आप न्यू ईयर ईव पर ज्यादा एक्सपैरीमैंट्स नहीं करते हुए कैजुअल लुक ही कैरी करना चाहती हैं तो भी आप बिंदास नजर आ सकती हैं। इस दौरान यह ध्यान रखें कि आप जो भी पहनें वह आप पर सूट करे और डिसैंट लुक दे। अधिक एक्सपोज करने वाली ड्रैस पहनने से बचें।

### पार्टी ड्रैस

थोड़ा-सा क्रिएटिव होकर आप पार्टी की सैंटर ऑफ अट्रैक्शन बन सकती हैं। हां, लेकिन पार्टी पर जाने से पहले यह जरूर चैक कर लें कि आपकी पार्टी के लिए कोई थीम या ड्रैस कोड तो निर्धारित नहीं किया गया है। ड्रैस वही कैरी करें, जो आपकी पर्सनैलिटी को सूट करती हो और आपको डीसैंट लुक दे। पार्टी में हैवी ड्रैसेज की बजाय लाइट ड्रैसेज कैरी करना मुनासिब होगा। हैवी एम्ब्रायडी या वर्क वाली ड्रैस पहनने से आप एंटरटेनमैंट और एंज्वायमैंट के माहौल में कंफर्ट महसूस नहीं कर पाएंगी। न्यू ईयर ईव के लिए आप वॉयलैट, ब्लैक, मैरून, पर्पल, क्रिमसन रैड कलर की कॉकटेल ड्रैस ट्राई कर सकती हैं। यदि आप साड़ी वियर कर रही हैं, तो लाइट शेड व बार्डर वाली प्लेन साड़ी पहनें, इससे आपको सॉफिस्टिकेटेड लुक मिलेगी और साथ ही आपफी होकर पार्टी एंज्वॉय कर सकेंगी। अगर आपको सर्दी का डर सता रहा है तो ट्राऊजर्स के साथ लांग स्टाइलिश कोट और मफलर पहन सकती हैं। इनके साथ बूट पहनना न भूलें। स्कर्ट के साथ फर जैकेट पहनें और साथ ही ट्राई करें कैप या हैट। लॉन्ग बूट्स स्कर्ट्स के साथ बहुत बढ़िया दिखते हैं। स्टाइलिश वूलन स्टोल भी वैस्टर्न आऊटफिट के साथ कैरी कर सकती हैं। अगर आप न्यू ईयर ईव पर ज्यादा एक्सपैरीमैंट नहीं करते हुए कैजुअल लुक ही कैरी करना चाहती हैं तो ट्रैंडी कुर्ती के साथ वूलन लैगिंग्स में भी आप बिंदास नजर आ सकती हैं। अगर आप न्यू ईयर पार्टी में मस्ती करने के मूड में जा रही हैं और बिल्कुल फ्री स्टाइल चाहती हैं, तो आपको पुराना लुक कैरी करने की जरूरत नहीं है, बल्कि कुछ नया आजमाना चाहिए। इस बार इंडो-वैस्टर्न लुक ट्राई करें। बेशक यह अंदाज आपको डिफरैंट लुक्स देने के साथ पार्टी में कंफर्ट भी देगा।

### ज्यूलरी

गुड लुक के लिए परफैक्ट ज्यूलरी का होना बहुत जरूरी है। अच्छी ज्यूलरी से डल ड्रैस को भी स्मार्ट लुक दिया जा सकता है। यदि ड्रैस को ध्यान में रखकर ज्यूलरी पहनेंगी, तो ज्यादा फैशनेबल और स्टाइलिश दिखेंगी। ज्यूलरी कुछ डिफरैंट होनी चाहिए ताकि जब आप पार्टी में जाएं, तो लोग आप पर से अपनी निगाहें हटा ही न सकें। ज्यूलरी के फैंश ट्रैंड्स को एलिगैंस के साथ कैरी करें।

### नैकपीस

अगर कानों में कुछ पहन रही हैं तो नैक को खाली रखें और अगर नैक में कुछ पहन रही हैं तो कानों में कुछ न पहनें। इससे आपके खूबसूरत नैकपीस या ईयररिंग्स दूसरों को अपनी ओर अट्रैक्ट कर पाएंगे। वैस्टर्न ड्रैस के साथ लॉन्ग सिंगल पर्ल नैकलैस पहना जा सकता है। हॉल्टर और हाई नैक के साथ एक मोती का नैकलाइन इस्तेमाल किया जा सकता है। आप नैकपीस को स्टेटमैंट ज्यूलरी बना रही हैं, तो यह सिंगल स्ट्रिंग से लेकर दो, तीन या मल्टीपल स्ट्रिंग्स में हो सकती है। इसके अलावा ट्रांसपैरैंट शेड में बड़े स्टोंस वाले नैकपीस फैशन में है।

# कूल लुक

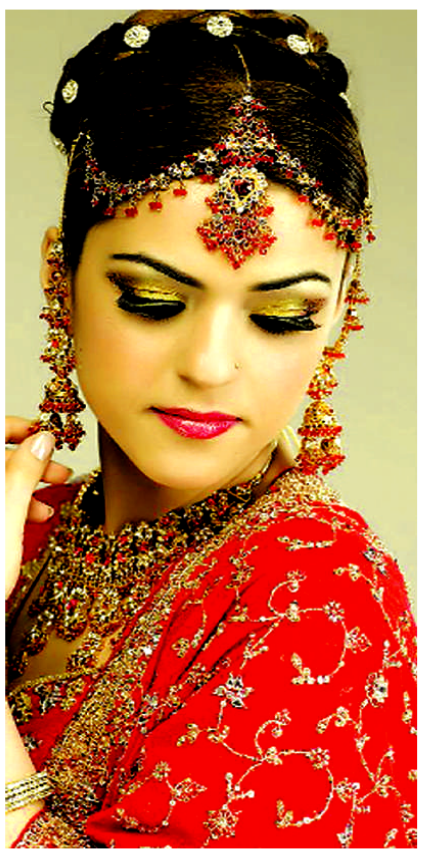

### ईयर रिंग्स

ईयर रिंग्स से लुक्स में इंस्टैंट चेंज आता है। इन दिनों बहुत ही खूबसूरत और अफोर्डेबल ईयर रिंग्स की रेंज बाजारों में उपलब्ध है। आप अपनी ड्रैस के स्टाइल और रंग के हिसाब से इनका चयन कर सकती हैं। बस यह ध्यान रखें कि लॉन्ग ईयररिंग्स पहनें, यानी आपकी मिड नैक तक आते हों। मैटल या ऑक्सीडाइज्ड सिल्वर के बड़े ईयररिंग्स पहन सकती हैं। इंडियन ड्रैस के साथ ट्रैडीशनल और एथनिक लुक में कुंदन, पोलकी, रंगीन क्रिस्टल, मोती और बीड्स वाले ईयररिंग्स अच्छे लगेंगे। एंटीक ज्यूलरी का ऑप्शन भी आपको कुछ डिफरैंट लुक दे सकता है। जंक ईयररिंग्स वैस्टर्न ड्रैस पर खूब जंचते हैं। इससे आपका चेहरा ज्यादा सुंदर दिखेगा और अटैंशन भी हासिल करेगा।

### रिंग्स

वैसे तो हर महिला हाथ में एक-दो रिंग्स हमेशा कैरी करती है, लेकिन पार्टी पर आपका अंदाज रूटीन से कुछ अलग होना चाहिए। मार्केट में खूबसूरत रिंग्स की भी खूब वैरायटी मिल जाएगी। आजकल रंग-बिरंगे पत्थरों की बनी रिंग्स काफी पसंद की जा रही हैं, जो सिम्पल और हैवी दोनों लुक्स में मौजूद हैं। इन्हें आप अपनी ड्रैस के रंग के अनुसार पहन सकती हैं।

### बैंगल्स

दोनों हाथों की बजाय सिर्फ एक ही हाथ में एक्सैसरी पहनें। इंडियन ड्रैस पहन रही हों, तो हाथों के लिए ड्रैस से मेल खाती गोल्डन या सिल्वर मिक्स्ड बैंगल्स पहनें। आप जड़ाऊ या स्टोन वाले ब्रेसलेट को भी अपनी फैशनेबल वैस्टर्न ड्रैस के साथ कैरी कर सकती हैं। स्टाइलिश वुडन आर्ट के लिए वुडन बैंगल्स भी ट्राई कर सकती हैं।

### एंकलेट्स

एंकलेट्स यानी पायल का आजकल युवाओं में काफी क्रेज है। खूबसूरत एंकलेट्स ट्रैडीशनल और एथनिक लुक के साथ ही कैजुअल लुक में सुंदर दिखेंगी। ये कई रंगों में मौजूद हैं जिन्हें ट्रैडीशनल सलवार-कमीज, साड़ी, चूड़ीदार के साथ ही स्टाइलिश स्कर्ट के साथ भी पहना जा सकता है। आप एंकलेट्स ब्रेसलेट भी ट्राई कर सकती हैं।

# बच्चे का गुस्सा नहीं है अच्छा

**आजकल के बच्चों को भी तुरंत गुस्सा आता है। छोटी-छोटी बातों पर कहासुनी तक तो ठीक है, पर अगर आपका बच्चा मारपीट करके घर आ रहा है तो आपको इस बात को गंभीरता से लेना होगा। यह जानना होगा कि इस व्यवहार के पीछे क्या कारण है और उसमें सुधार कैसे संभव है। अगर समय पर आपने सही कदम नहीं उठाया तो भविष्य में आपकी परेशानी बढ़ सकती है।**

बच्चे तो शरारती होते ही हैं। पर वे जितना शरारत में तेज होते हैं उतना ही पढ़ाई और दूसरे कामों में भी हो सकते हैं, बशर्ते उन्हें सही दिशा मिले। आप उनकी ऊर्जा को सही दिशा में लगा सकें। अगर उन्हें कहीं से भी सही प्रोत्साहन न मिले और हमेशा उनकी गलतियों पर टोका-टाकी या डांट-फटकार ही लगाई जाए तो ऐसे बच्चे अति उत्साह में कभी-कभी गलत काम भी कर बैठते हैं। एक छोटी-सी बात पर कई बार बच्चे झगड़ा एवं मार-पीट करते हैं और एक-दूसरे को हानि पहुंचा देते हैं। जब इस तरह की घटनाएं बढ़ने लगती हैं तो बच्चे का व्यवहार भी आक्रामक होता जाता है।

दरअसल, बचपन में मां-बाप और शिक्षक बच्चे को कुम्हार की तरह उनके विचारों को रचते हैं। इसलिए मां-बाप और शिक्षकों को समय-समय पर सही और गलत के ज्ञान के साथ-साथ हर परिस्थिति में सामंजस्य बैठाना सिखाना चाहिए। बच्चों में स्कूल, घर और बाहर में कई कारणों से झगड़े होते हैं जो कई बार उग्र रूप ले सकते हैं। इन झगड़ों में किसी बच्चे की चीज उससे बिना पूछे लेना, सहपाठियों का मजाक उड़ना, खुद शरारत करके दूसरे बच्चे का नाम लगा देना, सहपाठी या दोस्त को थप्पड़ मार देना आदि आम है। पर, अगर सही समय पर इन गलत आदतों को न रोका जाए तो ये बच्चे के व्यक्तित्व का हिस्सा बन जाती हैं। कई बार बच्चा घर के सदस्यों को छोटी-छोटी बात पर झगड़ते देखता है तो वो बातें उसके दिमाग में घर कर जाती हैं उसके व्यवहार में भी वो बातें आ जाती हैं। अगर घर में एक बच्चे को दूसरे बच्चे से ज्यादा तवज्जो मिले या फिर घर में बड़े-बुजुर्ग अधिक लाड़-प्यार में बच्चों के गलत बातों को नजरअंदाज कर दें, तो भी ऐसा होता है।

### मैं नहीं हूं लड़ाकू

बच्चों को छोटी-छोटी बातें सिखानी चाहिए। जैसे गलती करने पर सॉरी बोलना या गलती मानना। किसी दूसरे का सामान इस्तेमाल करने से पहले उससे पूछना। ऊंची आवाज में बात नहीं करना आदि। उनके गलत व्यवहार को इस तरह से समझाना कि यदि उनके साथ कोई ऐसा करे तो उन्हें कैसा लगेगा। बच्चों को दूसरों की वस्तुओं की कद्र करना सिखाना चाहिए। आपको अपने बच्चे को यह सिखाना होगा कि नकारात्मक परिस्थिति में उसे कैसा व्यवहार करना चाहिए। अगर वह बहुत नाराज है तो उसे समझाना चाहिए कि वह अपने गुस्से पर कैसे काबू रखे, जैसे थोड़ी देर चुप रहना, कहीं और देखना, पानी पीना या थोड़ी देर के लिए वहां से चले जाना, उल्टी गिनती गिनना इत्यादि। आप उसके लिए स्वयं को उदाहरण बनाकर पेश करें। बच्चों की अपनी बुराई सुनना सिखाना चाहिए। इससे भविष्य में अगर कोई उसके सामने ही उसकी बुराई करेगा, तो वह उत्तेजित नहीं होगा और उसे सकारात्मक तौर पर लेगा। संभव है कि अपनी बुराई सुनकर वह खुद में सकारात्मक बदलाव लाने की कोशिश भी करे। बच्चा चिड़चिड़ापन या झगड़ालू व्यवहार का ना हो इसके लिए घर में हर समय खुशी का माहौल होना चाहिए। घर में ज्यादा से ज्यादा समय एक दूसरे के साथ गुजारें। हर छोटी-सी खुशियां शेयर करें। बच्चों को मार-पीट से दूर रहने की सलाह दें। झगड़ालू या दबंग बच्चों से दोस्ती न रखने की सलाह दें। उनकी संगत पर नजर रखें।

# रेलवे स्टेशन पर हुए हादसे में घायल छोटू को देखने अस्पताल पहुंचे ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर

**महेंद्र शर्मा**
**उप संपादक पुष्पांजलि टुडे**

**ग्वालियर** । रेलवे स्टेशन के विस्तारीकरण के दौरान गिरने से घायल हुए उपनगर ग्वालियर निवासी श्रमिक छोटू जाटव के स्वास्थ्य का हालचाल जानने ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर शनिवार को एक हजार बिस्तर के अस्पताल पहुंचे। उन्होंने छोटू जाटव के साथ स्टेशन परिसर में हुए दुर्भाग्यपूर्ण हादसे पर दुःख व्यक्त किया। साथ ही छोटू के स्वास्थ्य की बेहतर देखभाल कर रहे डॉक्टरों को सम्मानित किया।उल्लेखनीय है कि बीते दिनों रेलवे स्टेशन ग्वालियर पर चल रहे निर्माण कार्य के दौरान ऊपर काम करते हुए छोटू जाटव नीचे लगे सरियों पर आकर गिर गया था जिसके कारण उसके शरीर में तीन सरिये आर पार हो गए तथा वह गंभीर रुप से घायल हो गया था। घायलावस्था में जयारोग्य अस्पताल के डॉक्टरों ने तत्परता से उपचार करते हुए उसकी जान बचाई। तीन सरियों से गंभीर चोटिल होने के बावजूद चिकित्सकों ने लगातार मेहनत

और समर्पण से उन्हें जीवनदान दिया।ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने शनिवार को जयारोग्य अस्पताल पहुंचकर छोटू जाटव का हालचाल जाना और सेवा में समर्पित डॉक्टरों द्वारा छोटू जाटव का बेहतर इलाज करने के लिए सम्मानित किया। साथ ही छोटू जाटव के परिवार को 40,000 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने की घोषणा की। ऊर्जा मंत्री ने माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी एवं केंद्रीय मंत्री श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया जी से छोटू के इलाज की बेहतर व्यवस्था हेतु चर्चा की। इस अवसर पर उन्होंने छोटू के परिजनों को भरोसा दिलाया कि यदि आवश्यकता पड़ी तो छोटू के बेहतर इलाज के लिए दिल्ली में हर संभव व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।

### ऊर्जा मंत्री ने किया डॉक्टरों का सम्मान

-इस अवसर पर ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने छोटू जाटव की जटिल सर्जरी करने वाले चिकित्सक डॉक्टर अंजली जलज, डॉक्टर हिमांशु चंदेल, डॉक्टर जितेंद्र अग्रवाल और गजराराजा मेडिकल कॉलेज के डीन डॉक्टर आरकेएस धाकड़ तथा अधीक्षक डॉ. सुधीर सक्सेना का शॉल श्रीफल भेंट कर सम्मान किया।

# ललितपुर में दर्ज किये गये पांच मामले

**अनुज सिंह ठाकुर ब्यूरो रिपोर्ट पुष्पांजलि टुडे ललितपुर**

चिटफण्ड कम्पनी एलयूसीसी का पूरा नाम द लोनी अरबन मल्टी स्टेट क्रेडिट एण्ड थ्रिफ्ट को-ऑपरेटिव सोसायटी बताया जाता है, जो कि कई राज्यों में अपना कारोबार फैला चुकी थी। इस कम्पनी की स्थापना वर्ष 2016 में समीर अग्रवाल द्वारा की गयी थी। इससे सम्बन्धित आधा दर्जन सोसायटियां भारत के कई राज्यों में कार्यरत थीं। इस कम्पनी को फाइनेंस एडवाइजर आर.के.शेट्टी, ट्रेनर संजय मुदगिल, लीगल एडवाइजर परीक्षित पारसी द्वारा नियंत्रित किया जाता रहा है।

**ललितपुर पुलिस ईडी की जांच में हर सहयोग को तैयार:** अल्प समय में अपनी कार्यकुशलता और अपराध नियंत्रण को लेकर बेहतर पुलिसिंग का अनुपम उदाहरण पेश करने वाले पुलिस अधीक्षक मो.मुश्ताक ईडी के हर प्रकार से संभव सहयोग के लिए तैयार हैं।

नवांकुर संस्थाओं ने किया गौ वर्धन पूजन।

# मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद की सहयोगी संस्थाएं हैं नवाकुर संस्थाएं।

अंबाह। मध्यप्रदेश अभियान परिषद् की सहयोगी नवांकुर संस्था,आदर्श रामसनेही जी जन चेतना शिक्षा एवं विकास समिति अंबाह के द्वारा गोवर्धन पूजा पर्व के उपलक्ष में श्री छत्रपाली हनुमान जी गौशाला अंबाह में संस्था के पदाधिकारी और समाजसेवियों द्वारा गौ सेवा का कार्यक्रम आयोजन किया गया जिसमें सर्वप्रथम गायों का तिलक लगाकर दीपक जलाकर उनकी पूजा अर्चना की गई उसके बाद ब्रेड पैकेट लाकर प्रसाद के रूप में सभी गायों को खिलाई गए और गौशाला के प्रभारी श्री गोविंद दास उर्फ पिल पिली और जितरवार दास के द्वारा जानकारी दी गई कि हमारे गौशाला मैं अधिकतर विकलांग गायों की संख्या अधिक हैं इनकी हम लोग सेवा करते हैं और हमारी मदद के लिए रवि,करू, दीपक, सागर आदि सहयोग के लिए तत्पर रहते है इस कार्य क्रम में उपस्थित संस्था प्रमुख सुरेंद्र सिंह छारी,मुकेश कुमार,लक्ष्य,सुशील कुमार, भीमसेन सिंह,आदि सभी के द्वारा इस कार्यक्रम को सफल बनाया

**समारोह पूर्वक मनाया गया मध्यप्रदेश का 69 वां स्थापना दिवस**

# कलेक्टर ने राष्ट्रध्वज फहराकर कार्यक्रम की शुरुआत की छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुतियां दी गईं

**पंकज त्रिपाठी**
**दैनिक पुष्पांजली टुडे**

भिण्ड। मध्य प्रदेश का 69 वां स्थापना दिवस भिण्ड जिले में हर्षोल्लास के साथ एवं समारोह पूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव ने निराला रंग विहार मेला ग्राउण्ड भिण्ड में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में राष्ट्रध्वज फहराकर,मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर उन्हें नमन किया।इस दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष देवेन्द्र सिंह नरवरिया,नगर पालिका भिण्ड उपाध्यक्ष भानुप्रताप सिंह भदौरिया,पुलिस अधीक्षक डॉ असित यादव,अपर कलेक्टर एलके पाण्डेय,एसडीएम भिण्ड अखिलेश शर्मा सहित अन्य अधिकारी एवं जनप्रतिनिधिगण, छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।मध्यप्रदेश स्थापना दिवस समारोह में

रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। सांस्कृतिक कार्यक्रमों का शुभारंभ मध्यप्रदेश गान के साथ हुआ। शासकीय उ.मा.वि. क्रमांक 02 की छात्राओं द्वारा मध्यप्रदेश का लोक नृत्य राई की प्रस्तुति दी गई। उसके पश्चात शासकीय उत्कृष्ट उमावि क्रमांक 01 की हरी झंडी दिखाकर रवाना

छात्राओं द्वारा शुभ दिन आयो रे गीत पर प्रस्तुति दी गई।मध्यप्रदेश के 69 वें स्थापना दिवस के अवसर पर स्कूली छात्र/छात्राओं के द्वारा मैराथन दौड़ को शासकीय उत्कृष्ट उमावि क्रमांक-01 से एसडीएम भिण्ड श्री अखिलेश शर्मा ने किया।मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के तहत् आयोजित गतिविधियों में स्कूली बच्चों द्वारा शासकीय उत्कृष्ट उमावि क्रमांक 01 भिण्ड से अवंतीबाई चौराहा तक मैराथन दौड़ एवं प्रभात फेरी का आयोजन किया गया।

**सामाजिक समरसता को बढ़ावा देता है दीपावली पर्वः श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर**

# ऊर्जा मंत्री ने दीपावली पर्व पर भाजपा कार्यकर्ताओं को मिठाई खिलाकर दी

**महेंद्र शर्मा उप संपादक**
**पुष्पांजलि टुडे**

ग्वालियर। दीपों के पर्व के शुभ अवसर पर ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने अपने रेसकोर्स रोड स्थित सरकारी कार्यालय पर क्षेत्रीय नागरिकों तथा भाजपा कार्यकर्ताओं से भेंट कर दीपावली की शुभकामनाएं दीं। इस कार्यक्रम में स्थानीय लोगों ने भी भारी संख्या में शिरकत की। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कार्यक्रम में आए सभी मेहमानों का स्वागत करते हुए उन्हें मिठाइ खिलाई। उन्होंने कहा कि इस पावन पर्व पर एकजुटता और भाईचारे का संदेश फैलाना बहुत

महत्वपूर्ण है। उन्होंने दीपावली पर्व को सामुदायिक सद्भाव का प्रतीक बताया।ऊर्जा मंत्री ने कहा कि हम सबको मिलकर अपने शहर के पर्यावरण की सुरक्षा और शहर को स्वच्छ बनाने की जिम्मेदारी उठानी होगी। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को अपने हिस्से का योगदान देना चाहिए, ताकि हम आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वस्थ और सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित कर सकें। बता दें कि इस समारोह में न केवल दीपावली की खुशियों को साझा किया गया, बल्कि लोगों के बीच सामाजिक समरसता को भी बढ़ावा दिया। कार्यक्रम की समाप्ति पर सभी ने एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं दीं।

# भारत विकास परिषद से निष्कासित कथित समाजसेवी दीपक सचदेवा

**दैनिक पुष्पांजलि टुडे की रिपोर्ट**

दतिया। पिछले दिनों दीपावली से एक दिन पहले भारत विकास परिषद् के बैनर तले अपनी छवि चमकाने के उद्देश्य से कई तरह के इन लीगल मामले में चर्चित रहे व्यवसायी दीपक सचदेवा द्वारा ग़लत तरीके से अपने प्रचार प्रसार करते हुए गरीबों में बांटे गए पैसों और अन्य सामग्री का संज्ञान लेकर भारत विकास परिषद की स्थानीय शाखा ने उन्हें संगठन से निष्कासित कर दिया है तथा कारण बताओ नोटिस जारी किया है।गौरतलब तलब है कि भारत विकास परिषद की स्थानीय शाखा के बैनर तले कथित समाजसेवी दीपक सचदेवा ने दीपावली से एक दिन पहले पूरे बाजार में अपने आप को हाइलाइट करने के उद्देश्य से संगठन की छवि का दुर्पयोग करते हुए न केवल अपनी वीडियोग्राफी कराई बल्कि स्वयं को संगठन से ऊपर उठकर प्रस्तुत किया।इसी कारण संगठन के संरक्षक रूपेश श्रीवास्तव अध्यक्ष अजय गुप्ता सचिव विजय गुप्ता और कोषाध्यक्ष संजीव नाहर ने संयुक्त रूप से संगठन की ओर से पत्र जारी कर दीपक सचदेवा को निष्कासित कर दिया है

# आरएसएस के प्रशिक्षण वर्ग में सामाजिक समरसता पर हुआ मंथन

ग्वालियर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के ग्वालियर में चल रहे विविध संगठन प्रचारक प्रशिक्षण वर्ग का रविवार को चैथा दिन था। प्रशिक्षण वर्ग में रविवार को युवा शक्ति और घर-घर तक पहुंचने के लिए हर घर दस्तक अभियान पर चर्चा हुई। जिसमें पदाधिकारियों ने घर-घर पहुंचकर सामाजिक समरसता का माहौल बनाने की बात कही।रविवार को आरएसएस के विविध संगठन प्रचारक प्रशिक्षण वर्ग के सत्र की शुरुआत भारत माता की पूजा के साथ हुई। वर्ग में वरिष्ठ संघ नेताओं ने सभी प्रचारकों से युवाओं को ज्यादा से ज्यादा संघ जोड़ने की बात कही और सभी प्रचारकों को युवा शक्ति को ज्यादा से ज्यादा

अपने विचारों से परिचित कराने और उनसे संपर्क करने की जिम्मेदारी सौंपी गई। संघ पदाधिकारियों ने वर्ग में जानकारी दी कि 2012 में जॉइन आरएसएस (वेबसाइट के जरिए) शुरू किया था। इसके तहत ऑनलाइन हर साल एक से सवा लाख युवा संघ के साथ अलग-अलग गतिविधियों में जुड़ रहे हैं। इस साल भी जून के अंत तक 66 हजार 529 लोगों ने संपर्क कर संघ से जुड़ने की इच्छा जताई थी। प्रशिक्षण वर्ग में सबसे बड़ा मुद्दा हिंदू समाज में सामाजिक समरसता का गरमाया रहा। सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले की मौजूदगी में कार्यकारी मंडल के पदाधिकारियों ने संगठन के सभी 11 क्षेत्र और 46 प्रांत प्रचारकों को संघ के एजेंडे (पंच परिवर्तनों के द्वारा हिंदू समाज में सामाजिक समरसता लाने के प्रयास) को निचले स्तर तक ले जाने की जिम्मेदारी सौंपी। साथ ही सभी पदाधिकारियों से संघ का संदेश घर-घर पहुंचाने का आह्वान किया। इस दौरान समाज के अलग-अलग वर्गों के बीच संघ के कार्यों और आगामी वर्षों के कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा हुई। उल्लेखनीय है कि केदारपुर धाम में दिवाली (31 अक्टूबर) से 4 नवंबर तक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का प्रशिक्षण वर्ग चल रहा है। इसमें आरएसएस के 31 संगठनों के 554 प्रचारक शामिल हो रहे हैं। वर्ग में वही कार्यकर्ता हिस्सा ले रहे हैं, जो सामाजिक जीवन के अलग-अलग क्षेत्रों में सक्रिय रहते हैं।

# केन्द्रीय जेल में मनी भाईदूज, बहनों ने कैदी भाइयों को किया तिलक, आंसू झलके

ग्वालियर। रविवार को केन्द्रीय जेल के बंदियों से भाईदूज के पावन अवसर पर उनकी माता-बहनों व छोटे बच्चों ने मुलाकात की। इस अवसर पर बहनों ने अपने भाईयों के माथे पर तिलक लगाया और हर्षोल्लास व शांतिपूर्वक भाईदूज का त्यौहार मनाया। जेल अधीक्षक विदित सिरवैया ने बताया कि केन्द्रीय जेल के 2300 बंदियों की माता-बहनों एवं बच्चों से प्रत्यक्ष मुलाकात कराई गई। इस अवसर पर इन बंदियों की माता-बहनों व बच्चों सहित मिलाकर लगभग 7500 परिजन उपस्थित हुए।रविवार को बड़ी संख्या में सेन्ट्रल जेल पहुंची बहनों ने अपने कैदी भाइयों को तिलक कर भाई दूज मनाई। जेल में ही बने लड्डू से बहन और भाइयों ने एक-दूसरे का मुंह मीठा कराया। जेल प्रशासन ने बाहर से कोई भी मिठाई अंदर लाने की परमिशन नहीं दी थी है। जेल में बंदी भाइयों को तिलक करने आई बहनों को किसी भी प्रकार की कोई परेशानी न हो इसके लिए खुली जेल मैदान में टेंट लगाकर भाईदूज की मुलाकात कराई गई। सुबह करीब 9 बजे से बहनों का सेंट्रल जेल पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। केंद्रीय जेल पहुंची बहन अपने भाइयों के माथे पर तिलक कर उनके साथ बैठकर

उनका हाल-चाल जाना। लंबे अर्से बाद बहनों को देख भाइयों की आंखे झलक आईं। आसपास के जिलों के अलावा कई बहनें हरियाणा और सतना से भी ग्वालियर की जेल आई। जेल में बंद भाइयों के माथे पर तिलक करते वक्त बहन-भाई दोनों के आंसू छलक आए। जेल में बने लड्डू से बहन और भाइयों ने एक-दूसरे का मुंह मीठा कराया। जेल प्रशासन ने बाहर से कोई भी मिठाई अंदर ले जाने की परमिशन नहीं दी। जेल प्रबंधन ने बंदी भाइयों को तिलक करने आने वाली बहनों को किसी भी प्रकार की कोई परेशानी न हो, इसके लिए खुली जेल मैदान में टेंट लगाकर भाईदूज की मुलाकात कराई। जेल में भाईदूज पर मिलने आने वाली महिलाओं को अपने साथ खानपान का सामान लाने जाने पर प्रतिबंधित किया गया था। जेल में सुबह से ही हजारों बहनों ने पहुंच कर अपने भाई को तिलक कर भाई-बहन के इस त्योहार को मनाया। इस दौरान जेल में पुरुषों के प्रवेश पर पूरी तरह प्रतिबंध रहा। जेल में सजा काट रहे बंदियों के लिए जेल प्रबंधन ने त्योहार में खाने की व्यवस्था की थी। भाई दूज के त्योहार पर जेल में बंदियों के लिए पूड़ी, सब्जी के साथ ही खीर बनाई गई थी। यह खाना जेल में बंद अन्य कैदियों ने बनाया। भाई दूज पर जब बहन अपने भाइयों को तिलक करेंगी तो उसके लिए लड्डू बनाए गये थे, जिन्हें बहनों ने जेल परिसर से ही खरीदकर अपने भाईयों का मुंह मीठा कराया। भाइयों से मिलने आई बहनें जेल में किसी प्रकार की सामग्री अंदर नहीं ले जा सके इसके लिए तीन स्थानों पर चेकिंग व्यवस्था लगाई गई थी। जेल में महिलाओं को प्रवेश देने से पहले उनके मोबाइल और पर्स बाहर जमा करवाए गए।

# श्री अचलेश्वर महादेव सार्वजनिक न्यास का अन्नकूट प्रसादी वितरण सोमवार को

ग्वालियर। श्री अचलेश्वर महादेव सार्वजनिक न्यास ने सभी धर्मप्रेमी जनता से आग्रह किया है कि श्री अचलेश्वर महादेव सार्वजनिक न्यास का अन्नकूट प्रसादी का वितरण सोमवार पांच नवंबर 24 को सायं 5 बजे से रात्रि 10 बजे तक किया जाएगा। जो भी भक्त गण कूपन से प्रसादी ग्रहण करना चाहते है वह कूपन पहले ही प्राप्त कर प्रसादी ग्रहण करें क्योंकि रात्रि हो जाने के कारण महिलाएं गुजुर्ग एवं बच्चों को रात्रि हो जाने पर परेशानी हो सकती है। कूपन के लिए समिति के वीरेन्द्र शर्मा एवं सुदामा शर्मा से संपर्क किया जा सकता है।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478